साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
वर्ष 7, अंक-29 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 26 अगस्त 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 2 रुपये

सुविचार

हमेशा दूसरों की सफ़लता पर ध्यान देने से बेहतर है, अपनी सफ़लता पर ध्यान देकर उनसे भी बेहतर बन जाना।

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जन-कल्याण के कार्यों को बढ़ाएँः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मध्यप्रदेश में जन अभियान परिषद ने जिस तरह कोरोना काल में सामाजिक संस्थाओं और समाजसेवी बंधुओं को एकत्र और संगठित कर उनका समाजहित में लाभ लिया उसी तरह बेटी बचाओ, जल-संरक्षण, हरियाली के विकास ,नशा मुक्ति,स्कूल चलें हम अभियान और प्रदेश के ग्रामों और नगरों के गौरव दिवस के कार्यक्रमों के लिए भी परिषद अपने प्रयास बढ़ा सकती है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मंत्रालय में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में वित्त और योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जन अभियान परिषद के नेटवर्क से जुड़ी प्रस्फुटन समितियाँ और नवांकुर संस्थाएँ सामाजिक परिवर्तन की संवाहक हो सकती हैं। इन्हें वृक्षा-रोपण के कार्य से भी जोड़ा गया है। यह समितियाँ समाज की बड़ी ताकत हैं। अंकुर अभियान में भी इन समितियों को सक्रिय किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ये समितियाँ दक्षतापूर्वक कार्य करें।इसके लिए निरंतर मानीटरिंग भी की जाए।

अटल भूजल परियोजना के लिए सहयोग

बताया गया कि मध्यप्रदेश में बुंदेलखंड अंचल के भू-जल संकट से प्रभावित सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले के 9 विकासखंड में जन-अभियान परिषद अटल भूजल परियोजना में सहयोग कर रही है। इन जिलों के सागर, पथरिया, छतरपुर, नौगाँव, राजनगर, बल्देवगढ़, पलेरा, अजयगढ़ और निवाड़ी जनपद की 667 ग्राम पंचायत में उपलब्ध जल स्रोतों और उनसे लगे क्षेत्रों में जलीय संरचनाओं जैसे चेक डैम, तालाब बंधान, ट्यूबवेल और कुएँ जैसे स्रोतों का जियो रेफरेंसिंग और जियो टैगिंग का कार्य किया जा रहा है। परिषद ने वित्त वर्ष 2022- 23 के लिए वाटर सिक्यूरिटी प्लान तैयार किया है। सामाजिक सहभागिता से वाटर सिक्यूरिटी प्लान पहले भी तैयार किया जा चुका है। राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन में प्रदेश के 2 जिलों अलीराजपुर और झाबुआ के 12 विकासखण्ड की 663 ग्राम पंचायत में 6 से 18 साल के बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सिकिल सेल की स्क्रीनिंग का कार्य परिषद को सौंपा गया है। बताया गया कि योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने प्रदेश में सांख्यिकी आयोग का गठन भी किया है। बेहतर सांख्यिकी व्यवस्था से विभिन्न योजनाओं के श्रेष्ठ क्रियान्वयन के परिणाम मिले हैं। जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 10 प्रमुख विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों को चिन्हित किया गया है।

स्वतंत्रता में विज्ञानियों के योगदान को भी स्वीकारना होगाःजयंत सहस्त्रबुद्धे

भोपाल। भारतीय विज्ञानियों में देश भक्ति की भावना की कमी नहीं थी। तत्कालीन विज्ञानिकों ने अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों का सामना करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में सीमित साधनों के साथ योगदान दिया था। उन्होंने सीधे -सीधे राजनीतिक संघर्ष में भाग नहीं लिया, लेकिन विज्ञान के माध्यम से राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने में उत्प्रेरक भूमिका निभाई थी। राष्ट्रभक्त विज्ञानिक प्रफुल्ल चंद्र राय ने अपने कैरियर में ही यह घोषित कर दिया था कि विज्ञान प्रतीक्षा कर सकता है लेकिन स्वराज नहीं। हमारा समाज आज भी स्वतंत्रता में विज्ञानियों के योगदान को स्वीकार नहीं कर पाया है। इसे समाज को स्वीकारना चाहिए। यह विचार 12वें राष्ट्रीय विज्ञान फिल्मोत्सव को संबोधित करते हुए गुरुवार को जयंत सहस्त्रबुद्धे ने व्यक्त किए। वह प्रख्यात चिंतक और विज्ञान भारती, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव हैं। विज्ञान फिल्मोत्सव साइंस,सेहत और प्रकृति के विभिन्न आयामों पर केंद्रित फिल्मों के प्रदर्शन से सराबोर रहा। फिल्मोत्सव में डाक्यूमेंटरी फिल्मों के निर्माताओं से लेकर विषय विशेषज्ञ ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के समन्वयक सांतनु गांगुली थे।

विज्ञान में नहीं थी ब्रिटिश शासकों की रुचि

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले विज्ञानियों को नायकों के रूप में मान्यता नहीं मिल पाई है। हमने स्वतंत्रता के 75वर्ष पूरे कर 76वें वर्ष में प्रवेश किया है और अमृत महोत्सव मना रहे हैं। यही मौका है कि हमे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में विज्ञानियों की भूमिका जानना चाहिए। यह कड़वा सच है कि ब्रिटिश शासकों की रुचि विज्ञान में नहीं थी। वे विज्ञान का उपयोग कर यहां के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करना चाहते थे। इतिहास के पन्नों पर पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध है कि किस तरह ब्रिटिश शासन द्वारा विज्ञान का उपयोग भारत पर अपना साम्राज्य स्थापित करने के लिए किया

किस प्रकार की भू-संपत्ति अन्तरण(ट्रांसफर) योग्य नहीं है जानिए/Transfer of Property Act,1882....।

संपत्ति-अन्तरण अधिनियम,1882 का उद्देश्य यह है कि किसी भी व्यक्ति की चल एवं अचल संपत्ति का ट्रांसफर किस प्रकार किया जा सकता है एवं किस प्रकार की चल, अचल संपत्ति का अन्तरण नहीं किया जा सकता है ये सभी नियमों को संपत्ति अन्तरण अधिनियम में बताया गया है। आज हम सिर्फ आपको यह जानकारी देगे की किस प्रकार की भू संपत्ति का अन्तरण किसी अन्य को नहीं किया जा सकता है जानिए।

संपत्ति अन्तरण अधिनियम,1882 की धारा 6 की परिभाषा-?

अधिनियम की धारा 6 यह बताती है कि किस प्रकार की संपत्ति का अन्तरण नहीं किया जा सकता है, जानिए

धारा 6 के अन्तरणीयता के अपवाद के अनुसार हिन्दू विधि में सेवाइती संपत्ति है उनका अन्तरण नही किया जा सकता है- राज्य सरकार या केन्द्र सरकार की भूमि, अविभाज्य संपत्ति,राजमुकुट, राजगद्दी, देवोत्तर संपतियां। धारा 6 की उपधारा (ग) के अनुसार कोई सुखाचार या अनुसेवी संपत्ति का अन्तरण प्रारम्भ से ही अवैध होगा, अर्थात किसी को जीवन यापन के लिए सरकार दी गई संपत्ति या किसी को मालिक द्वारा किसी व्यक्ति को उपभोग के लिए दी गई सम्पति संपत्ति का अन्तरण नहीं किया जा सकता है इसमे इनामी भू संपत्ति भी हो सकती है।

उधानुसार- अंजनेयुलू बनाम श्री वेणुगोपाल- उक्त मामले में मद्रास हाईकोर्ट का यह निर्णय हैं कि किसी व्यक्ति को जमीन ईनाम में दी गई। उसे मंदिर में स्वस्तिवाचन करना था क्या इनाम अन्तरणी संपत्ति थी, मद्रास हाईकोर्ट ने ईनाम की संपत्ति को अन्तरणी सम्पदा नहीं माना क्योंकि यह ईनाम सेवा का फल था।

नोट- मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता 181 के अंतर्गत सरकारी पट्टे की भूमि किसी भी प्रकार से अन्तरणी संपत्ति नहीं है क्योंकि संहिता की धारा 57 कहती है कि राज्य की समस्त भूमि संपत्ति राज्य की संपत्ति हैं इसी कारण सरकारी पट्टे की भूमि का ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह भूमि राज्य सरकार या कलेक्टर द्वारा दखल देने का अधिकार दिया जाता है।

- लेखक बी.आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

नवनिर्मित ग्रन्थालय भवन एवं कैंटीन का लोकार्पण किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में गुरुवार को नवनिर्मित ग्रन्थालय भवन एवं कैंटीन का लोकार्पण किया गया। यह लोकार्पण माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय डॉ मोहन यादव, विशिष्ट अतिथि डॉ सीताशरण शर्मा विधायक नर्मदापुरम, विधायक सोहागपुर श्री विजयपाल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा श्रीमती माया नारोलिया, प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा श्री दर्शन चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, जनपद अध्यक्ष श्री भूपेंद्र चौकसे, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अभय वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पुरोहित, विधायक प्रतिनिधि श्रीमती संध्या थापक, मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष श्री शर्मा ने श्री पीयूष शर्मा, माननीय कलेक्टर महोदय श्री नीरज सिंह, अतिरिक्त संचालक डॉ एम प्रसाद, महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीमती जैन नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओ.एन. चौबे ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की । माननीय शिक्षा मंत्री के आगमन के पश्चात् ग्रंथलय एवं कैंटीन का रिबन काटकर लोकार्पण किया। महाविद्यालय की एनसीसी, एनएसएस इकाई ने गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया। मां सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात् संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा वीणा पुस्तक धारिणी मां सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई । तत्पश्चात् छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य महोदय एवं महाविद्यालय स्टाफ द्वारा मुख्य अतिथि,विशिस्ट अतिथि एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहां की माननीय उच्च शिक्षा मंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश के महाविद्यालयों का अधोसरचनात्मक विकास हो रहा है। यह

महाविद्यालय कन्या शिक्षा के क्षेत्र में जिले का अग्रणी महाविद्यालय है । महाविद्यालय को आदर्श महाविद्यालय के रूप में उच्च शिक्षा द्वारा चयनित किया गया है। वर्तमान में लगभग 5000 छात्राएं इस महाविद्यालय में अध्ययनरत है। इस महाविद्यालय की 27 छात्राओं ने विगत सत्र में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की प्रवीण सूची में स्थान प्राप्त किया है। खेल, योग एनसीसी, एनएसएस गतिविधियों में राज्य एवं राष्ट्र स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन हमारी छात्राओं द्वारा किया गया है। प्राचार्य ने कहा कि इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री जी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि आपके मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा विभाग की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रयासरत रहते हैं। आप के निर्देशन में मध्य प्रदेश का प्रथम राज्य जहां शिक्षा नीति लागू की गई है । नवीन शिक्षा नीति सफलतापूर्वक 2 वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। छात्र छात्राओं के लिए इस दृष्टि से नवीन शिक्षा नीति महत्वपूर्ण इसके मध्यम से उनके सामने रोजगार एवं स्वरोजगार की दिशा सफल हो नये मार्ग प्रषस्त करने में सफल होगी। विधायक नर्मदापुरम डॉ सीताशरण शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय की बेटियां शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ खेल में भी अपना परचम लहरा रही है। इस महाविद्यालय की छात्रा संभाग राज्य स्तर पर अपनी योग्यता का लोहा मनवा रहीं हैं। माननीय विधायक जी द्वारा छात्रावास में अतिरिक्त कक्ष एवं अतिथि गृह और नए विषय में एम.एस.सी फूड एवं न्यूट्रिशन का प्रस्ताव रखा गया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि अब हम समृद्ध एवं सक्षम राष्ट्र में निवास करते हैं। रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को समझाया कि आप इनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। नवीन शिक्षा पद्धति में हमारे देश के वन्दनीय एवं अनुकरणीय व्यक्तित्व को सम्मिलित किया गया है। हमें यह जानना है कि हमारी मातृ शक्ति कितनी सक्षम एवं समृद्ध रही है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ यादव जी ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि शिक्षा हमें ज्ञान, अनुभव तो कराएगी साथ में वह हमें अनुसंधान की और ले जाएगी । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. श्रुति गोखले ने बताया कि गुणवत्ता पूर्व शिक्षा के लिये म.प्र. शासन हमेशा प्रयासरत रहा है। आभार डॉ. ओ.एन. चौबे ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यलयीन स्टॉफ एवं बड़ी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

शराब के क्रय विक्रय करवाने के लिए होटल, शराब की दुकान में बालको को रखना कितना गंभीर अपराध है जानिए/ Juvenile Justice Act,2015....।

अक्सर बड़े बड़े शहरों में होटलो या बियर-बार या शराब की दुकानों के किशोरी बालको को रखा जाता है ये बालक बाहर से आने वाले शराबियों को शराब या किसी भी मादक पदार्थ देते हैं कुछ होटलों या शराब की दुकानों में बालको से शराब की तस्करी भी करवाई जाती है लेकिन शायद ऐसा करने वाले ठेकेदार या प्रवन्धक की मालूम नहीं होता की बालको से इस प्रकार का कार्य करवाना कितना गंभीर अपराध होगा जानिए।

किशोर न्याय (बालको की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम,2015 की धारा 78 की परिभाषा?

जो कोई व्यक्ति किसी किशोर बालक से किसी भी प्रकार की मादक मदिरा, नशीली दवाइया, मनःप्रभावी पदार्थ के विक्रय, फुटकर में क्रय विक्रय, होटल या शॉप पर साथ रखेगा या तस्करी कराएगा तब ऐसे नियोजक व्यक्ति को अधिकतम सात वर्ष की कारावास और एक लाख रुपए तक के जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है।

नोट विशेष आग्रह - शराब या नशीली दवा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है एवं इनके सेवन से किशोर बालको की मानसिकता ओर गहरा प्रभाव पड़ता है इसलिए बच्चों को ऐसे कार्य के लिए नियुक्त न करे कोई भी शॉप या होटल मालिक एवं प्रबंधक।

लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

चंबल क्षेत्र में अति वर्षा और बाढ़ से आम जन को बचाने तीन हेलीकाप्टर

आपदा दल सक्रिय रहें, आमजन सावधानी रखेंःमुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दोपहर वल्लभ भवन स्टेट सिचुएशन रूम से प्रदेश में वर्षा की वर्तमान स्थिति, चंबल बेसिन में बाढ़ और राहत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान बुधवार को चंबल क्षेत्र में अति वर्षा की स्थितियों का जायजा लेने भी गए थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से इन जिलों के प्रभावित नागरिकों से अनुरोध किया कि सरकार हर पल आपके साथ है, लेकिन नागरिक खुद भी सजग रहें। जीवन महत्वपूर्ण हैं। ऊँचाई के स्थानों पर जाने के प्रशासन के आग्रह और प्रयास में सहयोगी बनें। उन्होंने बताया कि आमजन को बचाने के लिये 3 हेलीकॉप्टर की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कमिश्नर ग्वालियर से बाढ़ राहत कार्यों में समन्वय की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री चौहान ने अति वर्षा की वर्तमान स्थिति, चंबल बेसिन में बाढ़ और यमुना नदी के बेक वाटर से जल-स्तर बढ़ने और इसके कारण कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनने और संचालित राहत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि प्रभावित इलाकों में आपदा दल निरंतर रेस्क्यू कार्य में लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभावितों के लिए भोजन और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चंबल संभाग के तीनों कलेक्टर्स से मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चर्चा की।

हवा के झोंके का साया हो तुम ,

ताज़गी हवा की सरसराहट ,
वो सादगी हो तुम!

तुम खुश हो , मेरे होठों की मुस्कुराहट हो तुम,
तुमसे मिले बिना , दिन नहीं कटता,
मुझसे जुड़ा हुआ,
हर पल का एहसास हो तुम!

जब तुमको सोचती हूं ,
एहसास मुझे अपने-पन का होता है
तुम जब मुस्कुराते हो ,
इस दिल का खिलखिला चेहरा हो तुम!

जब तुम पास हो,
इस दिल को सुकून मिलता है ,
तुम ऐसे ही मिलते रहो ना ,
दिल रोज कहता है!

इस दिल की आरजू क्या है,
पर इस दिल का सुकुन हो तुम,
हवा के झोंके का साया हो तुम,
बीते कुछ पलों का एहसास हो तुम!!!

बैशाली नारनवरे
छिंदवाड़ा

हक है सबका

सभी इंसा को हक है
रोटी, कपड़ा, मकान का
कौन बन रहा है कारण
गरीबों के अपमान का,
आजाद भारत में आज भी
भुख से लोग मरते हैं,
तन पर नहीं है कपड़े?
आसमां के नीचे रहते हैं।
उन्हें भी मिलना चाहिए
हिस्सा उनके अरमान का
सभी इंसा को हक है
रोटी, कपड़ा,मकान का
गरीबों का नाम लेकर ही
लोग राजनीति चलातें है ?
लेकर वोट गरीबो से
शासक वे बन जाते हैं,
गरीबी मिटाने का वादा करके
गरीबों को ही मिटाते हैं,
फिक्र क्यों नहीं होता उन्हें
गरीबों के जी -जान का
सभी इंसा को हक है
रोटी, कपड़ा, मकान का
आजादी के 75 वे वर्षो बाद भी
आर्थिक समानता क्यों नहीं आया?
गरीबों के विकास की बातें करके
देश में मंहगाई क्यों बढ़ाया?
जीयो और जीने दो
की नीति
जब तक ना बनाओगे
तब तब तुम कैसे
अच्छे शासक कहलाओगे
सरकार को फिक्र है
केवल देश के धनवान का
सभी इंसा को हक है
रोटी,कपड़ा और मकान का
कौन बन रहा है कारण
गरीबों के अपमान का,,,

हरीश पांडल
विचार क्रांति

राजस्थान जालौर कि घटना के विरोध में भीम आर्मी ने राषट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

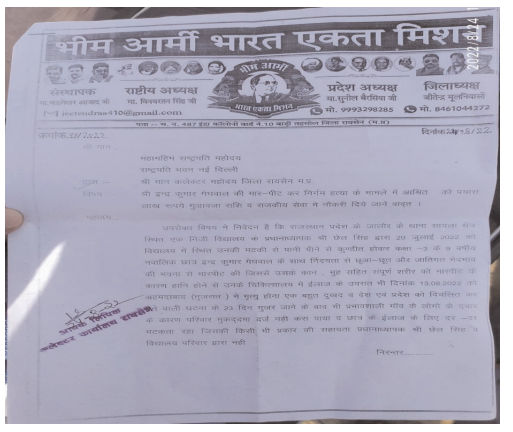

राजस्थान/जालौर। दिनांक 24 अगस्त 2022 दिन बुधवार को भीम आर्मी जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी के नेतृत्व में राजस्थान के जालौर में इन्द्र मेघवाल की जातिगत कारण से हुई हत्या के विरोध में प्रदर्शन रैली निकालकर कलेक्टर महोदय के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया जिसमें भीम आर्मी भारत एकता मिशन के सभी तहसीलों ब्लॉक से समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे । भीम आर्मी जिलाध्यक्ष का कहना है कि भारत देश आजादी के 75 साल का जश्न मना रहा है और इतने वर्ष आजाद भारत में निवास करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के महिला पुरुष बालक बालिकाओं पर होने वाले अत्याचारों में कोई कमी नहीं आ रही है इन अत्याचारों को रोकने के लिए राज्य सरकार को उचित कठोर कदम उठाना आवश्यक हो गया है महामहिम राष्ट्रपति महोदय से निवेदन किया राजस्थान मैं लगातार दलितों पर बढ़ते अत्याचार को देखते हुए राजस्थान प्रदेश की कांग्रेस सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू कर देना चाहिए इसलिए उक्त प्रकरण मैं अनुसूचित जाति जनजाति की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उच्च स्तरीय जांच व शीघ्र न्याय हेतु निर्देश प्रदान करने की एवं उदयपुर हत्या प्रकरण की भांति परिजनों को ?50 लाख की राशि स्वीकृत कर उपलब्ध कराने व परिवार में एक व्यक्ति को राजकीय सेवा में नौकरी दिए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को अति शीघ्र जारी किए जाने चाहिए । साथ ही जीतेन्द्र ने बताया कि आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद जी को राजस्थान में पीड़ित परिवार से नहीं मिलने दिए सभी पार्टी डाल के नेताओ को बहा जाने दिया जा रहा था लेकिन चंद्रशेखर आजाद को कियो रोका गया बहा कि गहलोत सरकार इस बात का जवाब दे। देश तो आजाद हो गया लेकिन देश के बहुजन समाज के लोग आज भी आजाद नहीं है आज भी जातिवादी मानसिकता के लोग बहुजन समाज पर अत्याचार करते है आखिर कब तब बहुजन समाज के लोगो पर अत्याचार होते रहेंगे । ऐसी मानसिकता के लोगो को जवाब देने के लिए भीम आर्मी हमेशा तत्पर रहती है कहीं भी जुल्म अत्याचार होता है तो भीम आर्मी सबसे पहले समाज के है अधिकारों कि।लड़ाई लड़ने का काम करती है । आज के विरोध प्रदर्शन में जिले की सभी तहसीलों से लोग ने हिस्सा लिया ओर इस आंदोलन को सफल बनाया । उपस्थित युवा - जीतेन्द्र मूलनिवासी जिलाध्यक्ष रायसेन,अतुल,अमन,हेमंत, रामेश्वर,नीलश ,गजराज,राकेश ,मंजीत, अभिषेक, दलसिंह,रामकिशन , राजेंद्र सिद्धार्थ,शुभम,कैलाश,कारण,कंचन,आदि तमाम युवा उपस्थित रहे।

मास्टर छैलसिंह राजपूत को फांसी की मांग करते हुए दिवंगत छात्र को शोक श्रध्दांजलि अर्पित की गयी

जालोर/राजस्थान। अहिरवार समाज संघ जिला निवाड़ी के तत्वावधान में राजस्थान प्रदेश के जालोर अंतर्गत सुराणा गांव में स्थित सरस्वती विधालय में छात्र इन्द्र कुमार पुत्र देवाराम मेघवाल की हत्या कर देने के विरोध में आरोपी मास्टर छैलसिंह राजपूत को फांसी की मांग करते हुए दिवंगत छात्र को शोक श्रध्दांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर अहिरवार समाज जिला निवाडी के जिलाध्यक्ष रविन्द्र भास्कर युवा कवि छात्र विवेक भास्कर जिलाध्यक्ष आइसना पत्रकार संघ जिला निवाडी के नेतृत्व में डा.भीमराम अम्बेडकर चौराहा से लेकर नगर के मुख्य बाजार होते हुए गांधी चबूतरा तक कैंडल मार्च किया गया एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उमरिया के पास नाले पर पुल नहीं, जान जोखिम में रखकर पानी में उतरकर स्कूल जाते हैं बच्चे

उमरिया। शुक्रवार की सुबह एक चौंका देने वाला वीडियो सामने आया है। यह वीडियो उमरिया जिला मुख्यालय से महज 20 किलोमीटर दूर का है। इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि स्कूल के बच्चे नाला पानी में उतर कर पार कर रहे हैं। नाले पर कोई पुल नहीं है, जिसकी वजह से बच्चों को स्कूल जाने के लिए परेशानी होती है। लगातार हुई बारिश के दौरान नाला उफान पर था तो बच्चों ने स्कूल जाना बंद कर दिया था, लेकिन नाले से पानी उतर गया है तो अब बच्चे उस नाले में उतरकर स्कूल का सफर तय कर रहे हैं। हालांकि, अभी भी नाले में भरपूर पानी है और मासूम बच्चे घुटने भर पानी से ज्यादा गहरे नाले में उतरने के लिए विवश है। अव्यवस्थाओं की कहानी कहता यह वीडियो बच्चों की जिंदगी पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

गंभीर मामला

कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम सरसवाही में स्कूली बच्चे जान हथेली में रखकर घुटने तक पानी से होते हुए स्कूल पहुंच रहे है, ये मामला अत्यंत सवेदनशील है, और गम्भीरता बरतने की ज़रूरत है। अभी हाल में पानी मे डूबने से आरक्षक और एक मासूम की जान पर सवाल बना हुआ है। हालांकि, शुक्रवार की सुबह आरक्षक का शव मिल गया है, परन्तु अभी भी ग्राम धनवाही में डूबे आदिवासी मासूम का कोई पता नही है।

मध्यप्रदेश 7 प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये अनुसूचित जाति के छात्रों ने राजस्थान की घटना को लेकर मध्यप्रदेश राज्यपाल महोदय जी को सौंपा ज्ञापन।

भोपाल। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये छात्रों द्वारा मध्यप्रदेश राज्यपाल को राजस्थान के जालौर में जातिवादी शिक्षक द्वारा 9 वर्षीय बच्चे की मटका छूने पर हत्या करने की घटना को लेकर ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने ज्ञापन मे पीड़ित को न्याय तथा राहत राशि और अपराधी को विधि अनुसार कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर तथा ऐसे ही राजस्थान जयपुर में महिला शिक्षिका को पट्रोल डालकर जिंदा जला देने को लेकर ओर मप्र के धार में संजय जाधव की हत्या आदि मामलो को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया की राजस्थान के जालौर में एक शिक्षक द्वारा एक 9 वर्षीय बच्चे को पीट पीट कर इसलिए मार दिया गया क्योंकि प्यास लगने पर उसने उस मटके से पानी पी लिया था जिससे आरोपी शिक्षक पीते थे। ओर राजस्थान के जयपुर में एक महिला शिक्षिका को पेट्रोल डालकर इसलिए मार दिया गया क्योंकि उसने अपने दिये पैसे वापस मांगे थे, साथ ही मध्यप्रदेश के ही धार जिले में भी संजय जाधव की हत्या कर दी गयी। इन सबका केवल एक ही कारण रहा की ये सभी

दलित अनुसूचित जाति से थे। ज्ञापन में शासन से मांग की गयी की पीड़ितों के परिवारों को 5-5 करोड़ की राहत राशि व 5-5 एकड़ भूमि व 2 - 2शासकीय नौकरी दी जाय। साथ हीं ऐसे जातिवादियों को कड़ी से कड़ी / फांसी की सजा हो। साथ ही ज्ञापन में मांग की गयी भारत सरकार ने जैसे घर घर तिरंगा अभियान चला कर देशभर में तिरंगा स्थापित कर देशभक्ति को हर घर पहुंचाया है वैसे ही जातिवाद खत्म हो ऐसे अभियान भी चलाये जाय। और विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी ऐसे पाठ्यक्रम संचालित करवाये।

ज्ञापन देते समयः मनीष सूर्यवंशी मंदसौर, नविन जावद नीमच, सोनू अहिरवार रायसेन, राजकुमार आजाद राजगढ़, राजा चंदेल रायसेन, देवेंद्र रायसेन, पवन सिंह चौधरी रीवा, दल सिंह, ब्रजेन्द्र सतना, सुदर्शन हरदा, रामशरण भिंड, विक्रम, राजू वंशकार बैरसिया, विकास, मुकेश मेघवाल मंदसौर, आयुष वर्मा, बनवारी, एवं प्रदेश के सभी अलग अलग जिले के छात्र उपस्थित रहे।

अँजु गौतम रैदास जिला पंचायत सदस्य शहडोल, इंडियन कॉफी हाउस में की गई पत्रकार वार्ता

शहडोल। मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए वह जब यहां जांच किसी भी उपभोक्ता की जाती है तो कभी भी उसे पंचनामा के कापी नहीं दी जाती और उसपर सुनवाई का अवसर नही दिया जाता इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में वह पूरी रिकॉर्डिंग बनाइए और उस पर किसी भी प्रकार से उपभोक्ता के हस्ताक्षर कर आइए और यदि उपभोक्ता उसमें कुछ भी अन्य अपनी बात लिख ना चाहे तो उसे न लिखने दिया जाए और अगर उसमे। लिख देता है तो उसे मिटा दीया जाता है । इस तरह का संशोधित करने वाला इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपयोग करके अधिकारियों को दे कर के एक फर्जी रिकवरी के केस इनके ऊपर बनाए जाते हैं। केस बनाने के उपरांत इनको अपनी बात रखने का अवसर प्रदान नही किया जाता है प्रिलीमिनिट्री नोटिस नही दिया जाता किसी उपभोक्ता को जो भी इनके उपर रिकवरी बनाई जा रही है। उसका किसी भी प्रकार से हुए उसको कोई नोटिस जारी नहीं करते और उसे अपना पक्ष रखने की अपनी बात रखने का कोई मौका प्रदान नहीं किया जाता है। फर्जी तरीके से बनाए गए केस को एक महीने तक पेंडिंग रखा जाता है और बाद में रिकवरी नोटिस जारी कर दिया जाता है उसके ऊपर एक रिकवरी को बनाने के बाद उसके ऊपर एक चोरी का अपमानजनक आरोप लगाते हुए और उस केस को इस तरह से दर्शाया जाता है कि तुमने चोरी की है। तुम चोर हो और यदि तुम अपने इस पैसे को जमा नहीं करोगे तो तुम्हारे यहां पर चोरी का प्रकारण तुम्हारे खिलाफ कोर्ट में डाला जाएगा जिससे तुमको जेल हो सकती है इससे साधारण और आम उपभोक्ता डर जाता है। भयग्रस्त हो जाता है और वह इससे बचने के लिए सोचता है कि मैं क्या करूं लेकिन उसके पास ज्ञान की कमी और स्थितियां ऐसी होती है। डर के कारण वह भयभीत रहता हैं और इसी का लाभ उठाते हुए हुए लोक अदालत के माध्यम से नोटिस जारी करते हैं कि तुम चाहो तो आकर समझौता कर लो नहीं तो यह तुम्हारे लिए गंभीर होगा। इसमें कुछ छूट दी जाएगी यदि वास्तवउसने चोरी की है तो उसके ऊपर चोरी का प्रकरण कायम करो और उसे प्रमाणित करो चोर उपभोक्ता नहीं, विद्युत विभाग है। कम पावर के ट्रांसफार्मर लगाकर उसमें ज्यादा लोड देता है अघोषित विद्युत कटौती करता है कम वोल्टेज का पावर देता है ट्रांसफार्मर जलने के उपरांत भी विद्युत विभाग बिजली का बिल उपभोक्ताओं पर चढ़ाता , बढ़ाता रहता है अब आप बताइए चोर कौन है उपभोक्ता या विद्युत विभाग कल दोपहर 12:00 बजे विद्युत विभाग को ज्ञापन देंगे 5 सितंबर तक सुधार ना होने पर आंदोलन सड़कों पर करेंगे धरना प्रदर्शन सड़क जाम और जेल जाओ जैसे कार्यक्रम भी चलाएंगे इससे होने वाली किसी घटना की जवाबदारी विद्युत विभाग की होगी आपके अवलोकन के लिए समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों द्वारा दिए गए दस्तावेजों को देख सकते हैं।

- **कैसे विद्युत विभाग ट्रेनिंग प्राप्त करके विद्युत उपभोक्ताओं पर डालती है डाका**
- **1-मौलिक अधिकारों का हनन किस तरह से करती है**

राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री निवास घेराव में भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े के अगुवाई में कोरिया जिला से पांच सौ युवा मोर्चा के कार्यकर्ता हुए शामिल

कोरिया। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला-कोरिया के जिला अध्यक्ष अंचल राजवाड़े ने कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि 2018 के चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में युवाओं को रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था किंतु आज साढ़े तीन साल पूर्ण होने के बावजूद भूपेश बघेल की भ्रष्टाचारी और युवा विरोधी सरकार ने छत्तीसगढ़ के किसी भी बेरोजगार युवा को ना तो रोजगार दिया और न ही बेरोजगारी भत्ता। इसी विषय को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित साहू के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के उपस्थिति में 24 अगस्त को राजधानी रायपुर में युवा मोर्चा के द्वारा विशाल मुख्यमंत्री निवास घेराव आंदोलन किया गया,उक्त आंदोलन में कोरिया जिला के समस्त मंडलों से पांच सौ से अधिक कार्यकर्ता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अंचल राजवाड़े के नेतृत्व में हिस्सा लिये, इस दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भुपेश बघेल

मुर्दाबाद, बेरोजगारी भत्ता देना होगा,युवा मोर्चा हल्ला बोल के नारों के साथ नगर निगम के सामने से पैदल चलकर मुख्यमंत्री निवास की ओर जाने वाले सभी बेरिकेट्स को तोड़कर कांग्रेसी सरकार के नाक में दम कर दिया। इस आंदोलन में भाजयुमो के कार्यकर्तृताओं के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कृष्ण बिहारी जायसवाल, पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष श्यामबिहारी जायसवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री

श्रीमती चम्पादेवी पावले,जिला महामंत्रीद्वय जमुना पांडेय व डंबरू बेहरा,जिला कोषाध्यक्ष राहुल सिंह,भाजयुमो जिला प्रभारी पंकज गुप्ता,संजय सिंह,दृगपाल सिंह,रूबी पासी,हर्षल गुप्ता सहित भाजपा व भाजयुमो कोरिया के नेतागण सम्मिलित हुए। युवा मोर्चा के इस उत्साह को देखकर ऐसा लगता है कि आगामी 2023 के चुनाव में कोरिया जिले के तीनों विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराना तय है।

17एफ+6टी इनोवेटिव फार्मूला तथा सीताराम टेक्नोलॉजी से भारत के सभी जनजातीय युवा हो जायेंगे स्वावलंबी

अनुपपुर। भारत के जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने में प्रौद्योगिकी का महत्व विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के शोध-छात्र चिन्मय पाण्डेय, बैधनाथ राम, ऋतुराज सोंधिया, अजय कुमार तथा जोनल कोऑर्डिनेटर मोरध्वज पैकरा ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में संयुक्त रूप से तीन शोध पेपर पर अपना प्रस्तुति दिया। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन में मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र सिंह मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार, मुख्यवक्ता श्री जे नंदकुमार, अखिल भारतीय संयोजक, प्रज्ञा प्रवाह, गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ राजकुमार रंजन सिंह राज्यमंत्री शिक्षा तथा विदेश मंत्रालय, अध्यक्षीय-उद्बोधन के. राजारमन चेयरमैन ष्ठह्र्ञ मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन तथा तथा अध्यक्ष- हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद, कुलपति एनएलयू, कुलपति-जनपद विश्वविद्यालय, प्रो. शांतिश्री धूलिपुडी पंडित कुलपति जेएनयू सहित कई वैज्ञानिक, कुलपति, आईएएस तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे । इस हेतु शोध-निदेशक प्रो (डॉ) विकाश कुमार सिंह, अधिष्ठाता संगणक विज्ञान संकाय तथा एसजेएम-विभाग-संयोजक, शहडोल विभाग का वैज्ञानिक-मार्गदर्शन प्राप्त है। शोध के सन्दर्भ में जानकारी देते हुए चिन्मय पाण्डेय, बैधनाथ राम तथा मोरध्वज पैकरा ने बताया कि 17एफ+6टी इनोवेटिव फार्मूला से सैद्धांतिक व्यावसायिक ज्ञान, कौशल, उद्यमिता अभिवृति, स्थानीय संसाधन आधारित अर्थव्यवस्था की जानकारी, मार्केटिंग, क्वालिटी कंट्रोल, लाइसेंस प्रक्रिया, जरुरी सॉफ्ट स्किल, व्यावहारिक चुनौतियों, अभिरुचि-परम्परागत जीविकोपार्जन हेतु एकीकृत सलूशन से सुदूर वनांचल में निवासरत जनजातीय युवा सशक्त और स्वावलम्बी बन सकेंगे। लोक उत्सव, शिल्प विधान, लोक विज्ञान, लोक गणित और ज्योतिष, लोक चिकित्सा और स्वदेशी ज्ञान, लोक विविधता आधारित सांस्कृतिक विरासत का उपयोग जनजातीय क्षेत्र के सतत आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किया जाएगा। नए भारत की जनजातियों को आधुनिक तकनीक के लिए नवीन और स्वदेशी प्रदान करके (परंपरा, प्रतिभा, पर्यटन, व्यापार, प्रौद्योगिकी और

जनजाति) की अवधारणा को साकार करना है। ÷सीताराम टेक्नोलॉजी÷ से भारत के सभी जनजातीय युवा को एक-राष्ट्र-एक-स्वावलंबन-प्लेटफार्म उनके मोबाइल पर उपलब्ध हो जायेगा तथा ÷सीताराम÷ तकनीक के माध्यम से उद्यम की स्थापना, परम्परागत ज्ञान के साथ स्वावलंबन-जीवन चक्र के बारे में -1-कंपनी का गठन, 2-पीपीआर / डीपीआर की तैयारी, 3-ईपीसी की तकनीकी जानकारी, 4 संयंत्र और मशीनरी का व्यवहार्यता विश्लेषण, 5-औद्योगिक भूमि/क्लस्टर के आवंटन से संबंधित प्रशिक्षण, 6-राज्य सरकारऔर केंद्र सरकार की योजनाओं का समन्वय, 7-वित्तीय प्रणाली के लिए ऋण लेने की प्रक्रिया, 8-भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्राप्त करने की प्रक्रिया लाइसेंस, 9-मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन/ऑफलाइन कंपनी के साथ टाई-अप, 10-एफएमसीजी कंपनी के साथ टाई-अप करके कंपनी की स्थापना, 11-सीताराम टेक्नोलॉजी के माध्यम से निर्यात लाइसेंस, राज्य एवं केन्द्रीय योजनाओं का लाभ लेने जैसी सभी जानकारी प्राप्त कर, वन-धन विकास केंद्र, एफपीसी, सहकारिता कंपनी के माध्यम से युवा स्वावलंबी बन जायेगा। सीताराम टेक्नोलॉजी से रामराज की स्थापना हो सकेगी। शोध के सन्दर्भ में जानकारी देते हुए ऋतुराज सोंधिया तथा अजय कुमार ने बताया की भारत भूमि में 698 अनुसूचित जनजातियों की परम्परागत-समृद्ध विरासत के साथ लगभग 17 प्रांतों में बहुसंख्यक के रूप में फैले तथा कुल जनसंख्या के 8.6त्न जनजातियों को उनके परंपरागत कौशल ज्ञान, उद्यमिता तथा सहकारिता के समन्वय से जनजातीय परिवारों के ज्ञान की वैविध्यता के साथ जीविका आधारित उद्यमिता शिक्षा उनके समग्र विकास /अर्थोपार्जन का मूल मन्त्र है। जनजातीय समुदाय तथा सुदूर इलाकों में रहने वाले युवा साथियों को एक साथ स्वावलंबी बनाने से वनांचल के अंतिम व्यक्ति का उदय होगा, आर्थिक विकेंद्रीकरण से समाज का अंतिम व्यक्ति समृद्ध और सुखी होगा। नमोदी फ्रेमवर्क शोध के सन्दर्भ में अजय कुमार, ऋतुराज सोंधिया, चिन्मय पाण्डेय, बैधनाथ राम, विजय पांडे तथा मोरध्वज पैकरा ने संयुक्त रूप से बताया की व्यावसायिक शिक्षा को जनजातीय छात्रों के लिए नमोदी फ्रेमवर्क के माध्यम से एक आकर्षक विकल्प बनाया जा सकेगा जिससे ज्यादा से ज्यादा व्यावसायिक शिक्षा को चुनने का विकल्प उपलब्ध हो सकेगा। छात्र व्यावसायिक और सामान्य शिक्षा के बीच आसानी से समन्वय कर सकेंगे। नमोदी फ्रेमवर्क से छात्रों के पास अपने अकादमिक करियर के दौरान व्यावसायिक शिक्षा को चुनने का विकल्प रहेगा जहाँ छात्रों को व्यावहारिक कौशलों का प्रशिक्षण, कौशल, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता, उद्दमिता आदि से सम्बंधित कोर्स को डिजिटल माध्यम से कर सकेंगे। नमोदी फ्रेमवर्क के माध्यम से स्किल गैप, स्थानीय संसाधन-अवसरों का विश्लेषण, वित्तीय सहयोग, बुनियादी संरचना, निवेश, अप्रेंटिसशिप से छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनाने की दिशा में बहुत एडवांस प्लेटफार्म होगा।

प्रेषक

बैधनाथ राम
(97710-01014)
(79858-78789)
(83194-28696)
(74156-19070)
(99266-69299)

अजय कुमार
ऋतुराज सोंधिया
चिन्मय पाण्डेय
मोरध्वज पैकरा

अत्याचार अब और नहीं ??

अत्याचार अब और नहीं
जुल्मियों तुम्हारा ठौर नहीं,
रखते हैं खबर
तुम्हारे जुल्मो का
लेंगे हिसाब हम
तुम्हारे दिए जख्मों का
हमेशा तुम ही सिरमौर नहीं ,
अत्याचार अब और नहीं
जुल्मियों तुम्हारा ठौर नहीं।
जो तुमने दिया है
हम सबको
वो तुम्हे हम सब
लौटाएंगे
जितना दर्द,जितनी जिल्लत
सहा है हमने
तुम्हे ब्याज सहित
चुकाऐंगे
वक्त है बदलता है
मुट्ठी में रेत जैसे
फिसलता है,
भुल जाओ तुम्हारा दौर नहीं
अत्याचार अब और नहीं
जुल्मियों तुम्हारा ठौर नहीं।
फूट डालो
राज करो
मूलनिवासियों को
बर्बाद करो
साम दाम
दण्ड भेद नीति
सदियों से चली है
सामंतों की नीति
शिक्षा से वंचित
रखकर
शोषण हमारे साथ
किया,
भाग्य -भगवान का
डर दिखाकर
हमारी पीढ़ी का सर्वनाश
किया,
अब शिक्षा से संचित
होकर
हमने सच्चाई जान
लिया
उजियारा देश में फैल
चुका है
कालीरात घनघोर नहीं
अत्याचार अब और नहीं
जुल्मियों तुम्हारा ठौर नहीं

हरीश पांडल
विचार क्रांति

यातायात पुलिस जिला अनूपपुर द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है

अनूपपुर। पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ रहे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु दिनांक 22.08.2022 से 28.08.2022 तक सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक श्री अखिल पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक राजन के निर्देशन मे दिनांक 24.08.2022 को यातायात पुलिस अनूपपुर के द्वारा 60 वाहन चालकों (स्कूल, यात्री बस एवं ऑटो चालकों) का जिला चिकित्सालय अनूपपुर में नेत्र परीक्षण कराया गया एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया, इसी तरह थाना कोतवाली के अंतर्गत ऑटो एवं दो पहिया वाहन चालकों से अपील की गई की 18 वर्ष से कम उम्र में बच्चों को वाहन न चलाने के नियम बताये गए, थाना चचाई के द्वारा अमरकंटक ताप विधुत गृह चचाई के अधिकारी/कर्मचारियों को सुरक्षित वाहन चालन के लिये समझाईश दी गई, थाना भालूमाड़ा में जे.ई.एम. हायर सेकेन्ड्री स्कूल के छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों के बारे मे बताया गया एवं उनके पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, थाना अमरकंटक के अंतर्गत नवोदय विद्यालय अमरकंटक में जाकर विद्यार्थियों को यातायात के नियमों की जानकारी दी गई, इसी तरह थाना राजेन्द्रग्राम, रामनगर, जैतहरी, करनपठार के द्वारा बस स्टैंण्ड पर यात्री बस एवं ऑटो चालकों का वाहन चालन के संबंध में जागरूक किया गया।

गरीब परिवार की आर्थिक उन्नति के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित करें: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। प्रदेश में दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यों को 2 लाख 19 हजार 603 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं। प्रदेश में 716 दुग्ध सहकारी समितियाँ गठित की जा चुकी हैं। इनमें से 336 समितियों में स्व-चालित इकाइयों की स्थापना की जा चुकी है। नाना जी देशमुख पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय के अंतर्गत जबलपुर और डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में डेयरी साइंस और फूड टेक्नॉलाजी पाठ्यक्रम की मंजूरी दी गई है। जबलपुर में गोबर से सीएनजी उत्पादन संयंत्र के लिए कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। यह जानकारी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव श्री अजीत केसरी, श्री शैलेंद्र सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि गरीब परिवारों के आर्थिक उन्नति के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बकरी पालन कार्य के लिए अधिक से अधिक सहयोग देने के प्रयास किए जाएँ। कम स्थान में कम लागत के साथ चारे की उपलब्धता के कारण बकरी पालन आर्थिक रूप से फायदेमंद है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता से किया जाए। पशुओं के रोगों के नियंत्रण के लिए विभाग का अमला सजग रहे।

संयुक्त कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

शहडोल। संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पांडेय ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में दूर-दराज से आए हुए लोगों की समस्याएं सुनी तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग की विभागीय अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत करते हुए ग्राम कुम्हियां निवासी श्री उपेन्द्रमणि शुक्ला ने बताया कि बटांकन निरस्त कराए जाने बाबत अपील अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी को दिया था, किंतु की गई अपील नायब तहसीलदार वृत्त बुढ़वा के निर्णय दिनांक 19 मार्च 2019 पर की गई थी, निराकरण अभी लंबित है और उन्होंने बताया कि अपनी जमीन के खसरा नंबरों में अपने पुत्र मधु बेवा रजनी देवी पुत्र नीलमणि पौत्र केशव मणि के नाम से नवंबर 2021 में उनके नाम से करा दिया हूं पर बटांकन सीमांकन होना अनिवार्य है अतः मेरी जमीन का बटवारा एवं सीमांकन नए शिरे कराई जाए, जिस पर संयुक्त कलेक्टर ने तहसीलदार ब्यौहारी को प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वार्ड नंबर 22 बुढार निवासी प्रीति यादव सहित अन्य वार्ड वासियों ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कलेक्टर को बताया कि उनके वार्ड में बारिश का पानी पहले निकल जाता था लेकिन कुछ लोगों द्वारा पानी निकासी अवरुद्ध कर दी गई जिससे अब घरों के अंदर पानी भर रहा है इस पर संयुक्त कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी बुढार को प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जनसुनवाई कार्यक्रम में अब संयुक्त कलेक्टर ने अन्य लोगों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम में लगभग 35 आवेदकों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री कमलेश टांडेकर, उप संचालक कृषि श्री आर.पी. झारिया, सहायक संचालक मत्स्य श्री शिवेंद्र सिंह परिहार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आर.एस. पांडेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोरिया पुलिस के लाख कोशिशों के बावजूद भाजयुमो कोरिया के जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े के नेतृत्व में युवा मोर्चा कोरिया के 300 जाबांज सिपाहियो ने किया राजधानी रायपुर कूच

कोरिया। भाजयुमो कोरिया के जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े के नेतृत्व में युवा मोर्चा कोरिया के 16 मंडलों के 300 जाबांज सिपाहियो ने राजधानी रायपुर कूच किया। रेल्वे स्टेशन रायपुर पहुंचने पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ रायपुर के ऊर्जावान नेतृत्व सुभाष अग्रवाल के नेतृत्व में रायपुर के भाजपाईयों ने भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े को अंगवस्त्र पहनाकर अभिनंदन,स्वागत किया। युवा मोर्चा के कार्यकर्त्ताओं ने ÷पुलिस प्रशासन होश में आओ,भूपेश सरकार, दम है तेरे दमन में कितना,देखा है और देखेंगे और भूपेश सरकार मुर्दाबाद,कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद÷ के नारों से रेलवे स्टेशन रायपुर में भूपेश सरकार के खिलाफ माहौल निर्मित किया। विदित हो कि 24 अगस्त को रायपुर में नगर निगम व्हॉइट हाऊस के सामने बेरोजगारी भत्ता एवं रोजगार न देने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में बड़ा आंदोलन करने जा रही है,उक्त आंदोलन में शामिल होने युवा मोर्चा के तीन सौ

कार्यकर्त्ताओं ने भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े एवं मंडल अध्यक्षों के अगुवाई में रायपुर पहुंचें हैं। भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े ने बताया कि विधानसभा स्तर पर एसडीएम कार्यालय घेराव फिर जिला रोजगार कार्यालय मनेन्द्रगढ़ घेराव के पश्चात अब 24 अगस्त को भाजयुमो कोरिया के कार्यकर्त्ताओं के द्वारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ हल्ला बोल किया जाएगा,2018 के विधानसभा चुनाव में जिस तरह युवाओं को झूठ बोलकर सरकार में कांग्रेस पार्टी आई है,हम उनको वादा याद दिलाने रायपुर आएं हैं, आज का युवा सब जानती है, 2023 के चुनाव में युवा ही सबक सिखाने वाली है,निश्चित रूप से भाजपा की कमल खिलने जा रही है। अंचल ने बताया कि अभी लगभग 300 और कार्यकर्त्ताओं का आना बाकी है,भाजयुमो के उक्त आंदोलन में समस्त मंडलों से 600 कार्यकर्त्ताओं का शामिल होना सुनिश्चित हुआ है।

झमाझम वर्षा का सिलसिला मंगलवार तक बना रहने की संभावना है....

लगातार हो रही वर्षा से पूरा भोपाल ही बन गया तालाब, तेज बरसात से निचली बस्तियों में भरा पानी

भोपाल। राजधानी में रविवार देर रात गरज और चमक के साथ शुरु हुई बरसात ने सुबह तक शहर की निचली बस्तियों में बाढ़ ला दी। सोमवार दोपहर तक यह पानी गिरता रहा, इससे शहर के अधिकांश नाले उफान पर आ गए। दो दर्जन से अधिक कालोनियों का संपर्क आसपास की कालोनियों से टूटा रहा। रहवासी इलाकों में जल निकासी नहीं होने से लोगों के घरों में दो से चार फीट तक पानी भर गया। इसे निकालने के लिए लोग कई घंटे परेशान होते रहे। लगातार बारह घंटे से अधिक हुई इस बरसात से शहर की 80 प्रतिशत सड़कें जलमग्न हो गई। यहां से निकलने वाले वाहनों के इंजन में पानी भरने से खराब हो गए। नगर निगम कालसेंटर में कालोनियों में जलभराव होने और सड़कों का संपर्क टूटने की पचास से अधिक शिकायत पहुंची हैं। खजूरी कला बायपास से पिपलानी जाने वाले मार्ग में नाले के चार फीट ऊपर से पानी बह रहा था। इसकी वजह से ग्यारह मील बायपास जाने वाले लोगों को आनंद नगर ट्रांसपोर्ट नगर घूमकर जाना पड़ा। वहीं कटारा हिल्स से बागसेवनिया को जाने वाले मार्ग में पुलिस चौकी के पास सड़क पर पानी भरा होने से रास्ता बाधित रहा। इससे बुरा हाल बरखेड़ा पठानी पहुंच मार्ग था, यहां सड़क और खेतों में पानी भरने से रास्ते में तालाब बन गया था, जिससे घंटो रास्ता बंद रहा। अवधपुरी स्थित राधाकुंज कालोनी से भेल के जंबूरी मैदान का पानी निकलता है। लेकिन इस नाले पर अतिक्रमण हाने से जल निकासी के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। वहीं जंबूरी मैदान के साथ बी सेक्टर के नाले का पानी भी यहीं से निकलता है। ऐसे में नाले का पानी ओवर फ्लो हो गया और लोगों के घरों में घुस गया। इससे लोगों के घरों में कपड़े, खाद्य सामग्री, बच्चों के कापी-किताब समेत अन्य सामान गीले हो गए।

भोपाल में 24 घंटे में हुई 7.5 इंच वर्षा

मुख्य सड़कें जलमग्न, पेड़ गिरने से युवक की मौत

बैरसिया-भोपाल मार्ग बंद: ईटखेड़ी स्थित हलाली नदी क्षमता से अधिक बह रही है। जिससे ईटखेड़ी के पास पुल से दो फीट ऊपर पानी बह रहा है। ऐसे में बैरसिया से भोपाल पहुंच मार्ग बंद हो गया है। वहीं इसके पानी से आसपास के गांव में बाढ़ की नौबत बन गई है। रहवासियों को ऊंचे स्थानों पर पहुंचने की चेतावनी दी गई है।

मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित: आंधी के साथ भारी बारिश का असर दूरसंचार कंपनियों पर भी पडा है। सोमवार सुबह अचानक कई कंपनियों के मोबाइल नेटवर्क गायब हो गए। फोन और इंटरनेट सेवाओं के बाधित होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। राजधानी की निचली बस्तियों में जलभराव की मुख्य वजह तेज बरसात के साथ जल निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम का नहीं होना है।

पेड़ गिरने से बाइक सवार की मृत्यु

तेज बरसात ने कालोनी और सड़कों पर तबाही मचा दी। शहर में दो से अधिक पेड़ गिरने की सूचना है। जिससे दो दर्जन से अधिक मुख्य मार्ग बंद हैं। नगर निगम अमला पेड़ों को रास्ते से हटाने का प्रयास कर रहा है। वहीं तरुण पुष्कर के पास एक पुराना पेड़ बाइक सवार युवक पर गिर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई।

तूफान में गिरा बस स्टाप

रायसेन रोड स्थित आनंद नगर के पास तेज आंधी-तूफान से बस स्टाप उखड़कर सड़क पर जा गिरा। हालांकि इससे किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है। निगम अमले के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर बस स्टाप को सड़क से हटाया।

भारतीय वन्यजीव संस्थान टीम कूनो पहुंची, 15 सितंबर के बाद लाए जा सकते हैं चीता

पार्क के पास बनाए जा रहे दो हेलीपेड, एक का काम शुरू

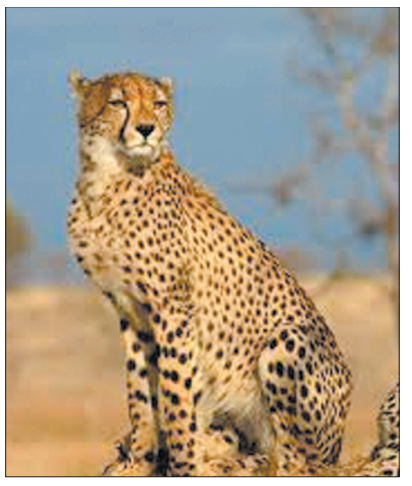

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीता बसाए जाने की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू आइआइ) देहरादून की टीम कूनो पालपुर नेशनल पार्क पहुंच गई है। 23 अगस्त को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के डीजी सीपी गोयल भी पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही चीता लाने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। तैयारियों को देखते हुए 15 सितंबर के आसपास चीता लाने की संभावना बन रही है। पार्क के नजदीक दो हेलीपेड भी बनाए जा रहे हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि पार्क में चीता बसाने के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आ सकते हैं। लोक निर्माण विभाग ने इनमें से एक हेलीपेड का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए राजस्थान के कोटा से निर्माण सामग्री लाई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि पार्क में व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। लोक निर्माण विभाग को 15 दिन में दोनों हेलीपेड तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं चीता के लिए बनाए गए विशेष बाडे में ग्रीन नेट (हरी जाली) भी लगाई जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि दो हफ्ते में यह काम भी पूरा हो जाएगा। हालांकि वर्षा के कारण निर्माण कार्य में देरी हो रही है।

गौहर महल में चरखा चाक उत्सव में खादी के वस्त्रों का प्रदर्शन

भोपाल। कोरोना का प्रकोप थमने के बाद शहर में धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यक्रमों का सिलसिला फिर चल पड़ा है। हालांकि शहर में बीते कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में अच्छा यही है कि कोरोना के प्रति हरदम सतर्क रहा जाए। इन दिनों कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को सतर्कता डोज लगाई जा रही है। आप शीघ्र यह डोज लगवाएं, ताकि आपके शरीर में कोरोना से बचाव के लिए जरूरी प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे। आप घर से बाहर निकलते समय मास्क का उपयोग जरूर करें और सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षित शारीरिक दूरी का ख्याल रखें। सोमवार 22 अगस्त को शहर में कई ऐसे आयोजन हैं, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं।

कम्पलायंस के नाम पर आयकरदाताओं के लिए मुसीबतें बढ गई हैं: गिरीश आहूजा

आइसीएआई के टैक्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

भोपाल। सरकार ने कम्पलायंस के नाम पर आयकरदाताओं के लिए मुसीबतें बढा दी हैं। सरकार वैसे तो 'ईज आफ डुइंग बिजनेस' की बात करती है, लेकिन ला में पेचीदगियां बढाते जा रहे हैं। वहीं पार्टनरशिप फर्म में यदि कोई पार्टनर रिटायर हो रहा है या पार्टनरशिप टूट रही है तो ऐसे में पार्टनर को दिए गए बेनीफिट्स कर टैक्स फर्म को ही भरना होगा। लेकिन इस टैक्स की गणना और कैपिटल आउटस्टैंडिंग निकालना भी आसान नहीं होता है।

यह बात रविवार को एमपी नगर के एक होटल में टैक्स पर आयोजित सीए के दो दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन सीए गिरीश आहूजा ने कही। आइसीएआई के भोपाल चेप्टर द्वारा आयोजित सम्मेलन में भोपाल, जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर समेत पूरे देशभर के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने भाग लिया।

सीए आहूजा ने कहा कि लोगों के लिए एक बढी समस्या कुछ कंपनियों के शेयर 'शून्य' हो जाना भी है। यानि किसी निवेशक ने यदि उक्त कंपनी के शेयर में एक लाख रुपए का निवेश किया था तो उसे शेयर की वैल्यू शून्य हो जाने से हुए नुकसान का लाभ मिलेगा या नहीं। ऐसा कोई सेक्शन नहीं जिसमें यह स्पष्ट रूप से कहा गया हो कि लाभ मिलेगा या नहीं। ऐसे में सरकार को अपना रूख स्पष्ट करना चाहिए। इसी तरह क्रिप्टो करंसी में भी कौन से हेड पर टैक्स लगेगा।

देश के प्रति दायित्वों का निर्वाहन निष्ठा पूर्वक करें : मुनि विहसन्त सागर

गोष्ठी का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण और दीप प्रज्वलन के साथ श्रेष्ठ जनों द्वारा किया

भोपाल। सबसे ऊपर हमारा देश और देश के प्रति उत्तरदायित्व को निभाना कर्तव्य होना चाहिए। संसार में हमेशा दो तरह के लोग याद किए जाते हैं। एक वह जो इतिहास बनाए जाते हैं और जिनके बारे में लिखा जाता है। एक वह जो लिख जाते हैं। यह प्रवचन लालघाटी नंदीश्वर जिनालय में मुनि विहसन्त सागर महाराज ने दिए। उन्होंने कहा कि देश के विकास में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वालों ने इतिहास बनाया है। उन्हें वर्तमान तो क्या आने वाली पीढ़ी है सदैव याद करेंगे। याद रखो परिवार धर्म समाज सबसे ऊपर हमारा देश है। प्राचीन गुरुकुल प्रणाली की वर्तमान में अत्यधिक आवश्यकता बताते हुए मुनिश्री ने कहा भारतीय संस्कृति और संस्कारों का भान गुरुकुल शिक्षा प्रणाली ही दे सकती है। गोष्ठी का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण और दीप प्रज्वलन के साथ श्रेष्ठ जनों द्वारा किया। इसमें मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा, एडवोकेट विजय चौधरी, पूर्व डीजीपी ऋषभ दिवाकर, पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा, नंदीश्वर जिनालय समिति के अध्यक्ष एडवोकेट प्रमोद चौधरी सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कैसे लडेंगे कुपोषण से....

दो विभागों के बीच उलझा 38 लाख बच्चों का पोषण आहार

चार महीने से आंगनवाड़ियों में पहुंच रहा है अधूरा राशन

भोपाल। प्रदेश की आंगनवाडियों के 38 लाख बच्चों के राशन का मामला दो विभागों के बीच उलझ गया है। 95 हजार आंगनवाडियों में बच्चों को पूरक पोषण आहार बांटने का काम स्वसहायता समूहों को मिला हुआ है, लेकिन उन्हें मार्च के महीने से कंट्रोल दुकानों से राशन नहीं मिल पा रहा है। जुलाई में सिस्टम अपडेट हुआ तो कुछ आंगनवायिों में पूरक पोषण आहार बनाने के लिए स्वसहायता समूहों को गेहूं और चावल मिल पाया है।

दिक्कत इसलिए.. पहले पर्ची देते थे, अब पोर्टल से आवंटन

मार्च 2022 के पहले खाद्य आवंटन के लिए जिले और ब्लॉक में महिला बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों की संख्या के हिसाब से पर्ची तैयार कर स्वसहायता समूहों को दी जाती थी। इसके अनुसार गेहूं और चावल राशन दुकान से मिल जाता था। नई व्यवस्था से यह आवंटन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन कर दिया गया है लेकिन तकनीकी कारणों से पोर्टल में स्वसहायता समूहों के नाम और आवंटन दर्ज नहीं हैं। लिहाजा, उन्हें कंट्रोल की दुकान से बैरंग लौटा दिया जाता है। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री तक की जा चुकी है। संचालक खाद्य दीपक सक्सेना का कहना है कि जिन्हें ऑनलाइन खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है, उन्हें ऑफलाइन दे रहे हैं। जो दिक्कतें हैं, जल्दी दूर कर लेंगे। आंगनवाडियों में 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए नाश्ता और भोजन तैयार करने के लिए गेहूं और चावल सार्वजनिक उपभोक्ता भंडार की दुकानों से दिया जाता है।

12 वां राष्ट्रीय विज्ञान फिल्मोत्सव राजधानी में सोमवार से शुरू

भोपाल। इस बार 12 वां राष्ट्रीय विज्ञान फिल्मोत्सव का आयोजन राजधानी में किया जा रहा है। इसका शुभारंभ सोमवार को नेहरू नगर स्थित विज्ञान भवन में सुबह 10.30 बजे से होगा। इसके बाद अगले दिन से समारोह का आयोजन रवींद्र भवन में होगा। इस राष्ट्रीय फिल्मोत्सव के फ्यूजन ज्यूरी चेयरमैन का दायित्व जागरण पत्रकारिता संस्थान कानपुर (जिम्सी) के निदेशक प्रोफेसर उपेंद्र पांडेय को सौंपा गया है। डा. उपेंद्र के नेतृत्व में संस्थान की 12 सदस्यीय टीम भोपाल पहुंच गई है। जागरण इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड मास कम्युनिकेशन (जिम्सी) को इस फिल्मोत्सव में सहयोगी संस्थान के रूप में चयनित किया गया है। रवींद्र भवन में मप्र सरकार के सहयोग से आयोजित फिल्मोत्सव में डा उपेंद्र पांडेय विशेषज्ञ पैनल चेयरमैन भी होंगे। भारत सरकार के संस्थान विज्ञान प्रसार के साथ मप्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद(मैपकास्ट) को इस फिल्मोत्सव के आयोजन का दायित्व सौंपा गया है। विज्ञान प्रसार निदेशक डॉ. नकुल पाराशर और फिल्मोत्सव के राष्ट्रीय प्रभारी निमिष कपूर ने बताया कि 12वें फिल्मोत्सव में जाने-माने डाक्यूमेंट्री निर्माता सिद्धार्थ काक, राजीव वर्मा के अलावा महाराष्ट्र तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, पश्चिम बंगाल के फिल्मकार भाग ले रहे हैं। यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ और झारखंड आदि राज्यों की सहभागिता भी रहेगी।

संपादकीय

सुशासन लाने वाले नीतीश कुमार आखिर कुशासन की वापसी क्यों चाहते हैं?

भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी देने के नाम पर गहरा सन्नाटा पसरा है, जो लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना बनती जा रही है। कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। बिहार में नई सरकार में कानून मंत्री बने राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कार्तिकेय सिंह हैं। जिन्हें पटना के दानापुर में अदालत के सामने समर्पण करना था, मगर वे राजभवन में शपथ लेने पहुंच गए। बिहार में नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के तौर पर जाना जाता है जिन्होंने राज्य में अपराध के खात्मे की घोषणा के बूते ही अपने राजनीतिक कद को ऊंचा किया। लेकिन ताजा उलटफेर में जिन लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, उनमें से कई पर लगे आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल ने जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, वे हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते हैं? गौरतलब है कि 2014 में कार्तिकेय सिंह सहित सत्रह अन्य लोगों पर पटना के बिहटा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था। कार्तिकेय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक बिल्डर को मारने के मकसद से अपहरण की साजिश रची थी। यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ-सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने का सवाल उभर जाता है। सवाल है कि क्या नीतीश कुमार अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गंभीर हैं? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा? आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद नीतीश कुमार के उन दावों की क्या विश्वसनीयता रह जाती है कि वे बिहार को अपराध और भ्रष्टाचार से मुक्त कराएंगे?

छात्र की मौत से एक बार फिर राजस्थान में दलितों की स्थिति उजागर हो गयी है

गहलोत सरकार ने भी मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री गहलोत इस मामले से अपना पीछा नहीं छुड़ा पा रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है कि जब राजस्थान में किसी दलित के साथ लोमहर्षक आपराधिक वारदात हुई है। राजस्थान पूर्व में भी ऐसे मामलों को लेकर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा है। दलित दूल्हों को घोड़ी से उतार देना। दलितों को गांवों में सार्वजनिक कुंओं से पानी नहीं भरने देना। दलित महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार, स्कूलों में दलित छात्रों से भेदभाव की घटनाओं को लेकर कई बार राजस्थान बदनामी का कलंक झेल चुका है। इनमें सबसे चर्चित जयपुर जिले का भंवरी देवी कांड रहा।

राजस्थान के जालोर जिले के सुराणा गांव में मटके से पानी पीने पर दलित छात्र की पिटाई से हुई कथित मौत को लेकर कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार की खूब किरकिरी हो रही है। राष्ट्रीय स्तर पर यह मुद्दा गहलोत सरकार के गले की फांस बन गया है। गहलोत सरकार की हालत यह है कि उसके लिए इस मुद्दे पर न उगलते बन पा रहा है और ना ही निगलते। विपक्षी दल और दलित संगठन छात्र की शिक्षक के मटके से पानी पीने पर पिटाई से हुई मौत को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। मृतक छात्र इंद्र कुमार के गांव सुराणा में देशभर से दलित नेताओं और राजनीतिक दलों के नेताओं के दौरों ने गहलोत सरकार की मुसीबत बढ़ा दी है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में आरोपी शिक्षक और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है।

गहलोत सरकार ने भी मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री गहलोत इस मामले से अपना पीछा नहीं छुड़ा पा रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है कि जब राजस्थान में किसी दलित के साथ लोमहर्षक आपराधिक वारदात हुई है। राजस्थान पूर्व में भी ऐसे मामलों को लेकर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा है। दलित दूल्हों को घोड़ी से उतार देना। दलितों को गांवों में सार्वजनिक कुंओं से पानी नहीं भरने देना। दलित महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार, स्कूलों में दलित छात्रों से भेदभाव की घटनाओं को लेकर कई बार राजस्थान बदनामी का कलंक झेल चुका है। इनमें सबसे चर्चित जयपुर जिले का भंवरी देवी कांड रहा। सामाजिक कार्यकर्ता भंवरी देवी को गांव के लठैतों ने सबक सिखाने के लिए बलात्कार किया। यह मामला अतंरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियों में रहा। दरअसल राजस्थान राजा-रजवाड़ों का राज्य रहा है। उस दौरान दलितों से अत्याचार की घटनाओं को सामान्य माना जाता था। आजादी के बाद कानून बनने से दलितों के हालात ज्यादा नहीं बदले, इसके बावजूद कि इस मरू प्रदेश में ज्यादातर समय कांग्रेस का शासन रहा। कांग्रेस प्रारंभ से ही अपने को दलितों की हितैषी घोषित करती रही है। जबकि दलितों से सर्वाधिक ज्यादती और अत्याचार भी कांग्रेस के शासन में ही हुए हैं। मौजूदा वक्त में भी राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। इसके बावजूद दलितों से अत्याचारों के मामले राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाए रहते हैं। दलितों के लिए कानून बेशक बन गया हो किन्तु मानसिकता में ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है। प्रदेश में दलितों के साथ मारपीट और उनके घरों में आग लगाने, गांवों में उनका हुक्का-पानी बंद करने की घटनाएं भी होती रही हैं। ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी हमेशा बटेर की तरह आंखें फेरे रहने जैसी रही है। मामला चूंकि वोटों और राजनीति से जुड़ा होता है, अत- अफसर भी तब तक कार्रवाई का इंतजार करते हैं, जब तक या तो सरकार से कोई इशारा ना मिले या जोरदार हंगामा ना हो। दलित छात्र की मौत के मामले में भी कमोबेश यही हो रहा है। पहले छात्र की मौत को सामान्य बताने का प्रयास किया गया। प्रकरण के तूल पकड़ने के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आया। तब कहीं जाकर आरोपियों पर कार्रवाई की गई। इस मुद्दे पर अब जमकर राजनीति हो रही है। कांग्रेस और विपक्षी दल खुद को दलितों का खैरख्वाह और दूसरे को विरोधी साबित करने पर तुले हुए हैं। दलित संगठन और दलित नेता भी वोटों की बहती गंगा में डुबकी लगाने से नहीं चूक रहे हैं। कांग्रेस सरकार की कोशिश यही है कि इस मुद्दों को फैलने से किसी भी तरह से रोका जाए, क्योंकि इससे प्रदेश के दलित वोट बैंक के ध्रुवीकरण का खतरा है। यही वजह रही कि भीम आर्मी के मुखिया चन्द्रशेखर आजाद को पुलिस ने मृतक के गांव नहीं जाने दिया। स्कूल छात्र की मौत की घटना के विरोध में कांग्रेस के एक दलित विधायक ने इस्तीफा देकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है।

दलितों को कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक माना जाता रहा है। इस घटना से इसमें सेंध लगाने के आसार बन गए हैं। ऐसा नहीं है कि दलितों के साथ राजस्थान में हुई ज्यादतियों और अत्याचारों के लिए सिर्फ सरकार और स्थानीय प्रशासन ही जिम्मेदार हों, मानवाधिकार और महिला आयोग जैसे संवैधानिक संगठन की हालत भी कठपुतली जैसी है। ऐसी घटनाओं के बाद ये संगठन तब तक सक्रिय नहीं होते है, जब तक सरकार का इशारा नहीं मिल जाए। दरअसल इन संगठनों में राजनीतिक नियुक्तियां होती हैं। मुख्यमंत्री के कृपा पात्रों को ही संगठनों में स्थान मिलता है। ऐसे में इन संगठनों के पदाधिकारियों में इतना साहस नहीं है कि सरकार का किसी तरह से विरोध कर सकें। ये संगठन अपनी नाक बचाने के लिए तभी सक्रिय होते हैं, जब पानी सिर से गुजर जाता है। ऐसी घटनाएं घटित ना हों इसके लिए इन संगठनों ने कभी धरातल पर उतर कर गंभीरता से प्रयास ही नहीं किए, अन्यथा आए दिन दलितों पर होने वाले अत्यचारों की नौबत ही नहीं आती। सरकार और प्रशासन में इन संगठनों का लेश मात्र भी भय नहीं है। हालांकि इन संगठनों के पास सीधे कार्रवाई करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, किन्तु ये अपनी रिपोर्ट को सार्वजनिक करके ही सरकार की फजीहत करा सकते हैं। इनकी निष्क्रियता से भी दलित विरोधी मानसिकता के लोगों को कोई भय नहीं है। दलितों को राजस्थान में न सिर्फ अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि आधारभूत सुविधाओं के नाम पर उनकी हालत ऊंट के मुंह में जीरे जैसी है। प्रदेश में ऐसी दलित बस्तियों की कमी नहीं है, जहां पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल जैसी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। भ्रष्टाचार और नौकरशाही की अकर्मण्यता के कारण उनकी बस्तियों तक योजनाओं का पूरा फायदा नहीं पहुंच पाता। आजादी के बाद से तकरीबन कांग्रेस का शासन होने के बावजूद प्रदेश में दलितों के जीवन स्तर में कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं आया है। गांवों के हालात अभी तक भी दलितों के लिए दलदल बने हुए हैं। सरकारी योजनाओं के फायदे दलितों तक दिखावे के तौर पर ही पहुंचे हैं। शिक्षक की पिटाई से स्कूल छात्र की मौत प्रदेश में दलितों की हालत की एक बानगी भर है। इसमें सुधार के लिए कांग्रेस सरकार के पास कोई रोडमैप नहीं है। गहलोत सरकार की मौजूदा नीतियों से ऐसा नहीं लगता कि आगे भी इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

तेजस्वी यादव इसी तरह काम करते रहे तो उन्हें बड़ा और लोकप्रिय नेता बनने से कोई नहीं रोक सकता

बिहार और उत्तर प्रदेश में तो मंत्रियों, सांसदों और साधुओं के यहां ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं। तेजस्वी यादव इस कुप्रथा को रूकवा सकें तो उन्हें यह बड़ा नेता बनवा देगी। तेजस्वी ने दूसरी सलाह अपने मंत्रियों को यह दी है कि वे आगंतुकों से उपहार लेना बंद करें। बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने दल के मंत्रियों के लिए एक नई आचार-संहिता जारी की है, जो मेरे हिसाब से अधूरी है लेकिन बेहद सराहनीय है। सराहनीय इसलिए कि हमारे नेता ही देश में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े स्त्रोत हैं। यदि उनमें आचरण की थोड़ी-बहुत शुद्धता शुरू होने लगे तो धीरे-धीरे भारतीय राजनीति का शुद्धिकरण काफी हद तक हो सकता है। फिलहाल तेजस्वी ने अपने मंत्रियों से कहा है कि वे बुजुर्गों से अपने पांव छुआना बंद करें। उन्हें खुद नमस्कार करें। हमारे देश में अपने से बड़ों के पांव छूने की जो परंपरा है, दुनिया के किसी भी देश में नहीं है। जापान में कमर तक झुकने, अफगानिस्तान में

गाल पर चुम्मा जमाने और अरब देशों में एक-दूसरे के गालों को छुआने की परंपरा मैंने देखी है लेकिन अपने भारत की इस महान परंपरा को सत्ता, पैसा, हैसियत और स्वार्थ के कारण लोगों ने शीर्षासन करवा रखा है। देश के कई वर्गों के लोगों को मैंने देखा है कि वे अपने से उम्र में काफी बड़े लोगों से अपना पांव छुआने में जरा भी संकोच नहीं करते बल्कि वे इस ताक में रहते हैं कि बुजुर्ग उनके पांव छुएं तो उनके बड़प्पन का सिक्का जमे। बिहार और उत्तर प्रदेश में तो मंत्रियों, सांसदों और साधुओं के यहां ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं। तेजस्वी यादव इस कुप्रथा को रूकवा सकें तो उन्हें यह बड़ा नेता बनवा देगी। तेजस्वी ने दूसरी सलाह अपने मंत्रियों को यह दी है कि वे आगंतुकों से उपहार लेना बंद करें। उनकी जगह कलम और किताबें लें। कितनी अच्छी बात है, यह? लेकिन नेता उन किताबों का क्या करेंगे? किताबों से अपने छात्र-काल में दुश्मनी रखने वाले ज्यादातर लोग ही नेता बनते हैं। तेजस्वी की पहल पर अब वे कुछ पढ़ने-लिखने लगें तो चमत्कार हो जाए। वरना होगा यह कि वे किताबें भी अखबारों की रद्दी के साथ बेच दी जाएंगी। डर यह भी है कि अब मिठाई के डिब्बों की बजाय किताबों के डब्बे मंत्रियों के पास आने लगेंगे और उन डिब्बों में नोट भरे रहेंगे। तेजस्वी ने तीसरी पहल यह की है कि मंत्रियों से कहा है कि वे अपने लिए नई कारें न खरीदवाएं। यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह काफी नहीं है। तेजस्वी चाहें तो नेताओं के आचरण को आदरणीय और आदर्श भी बनवाने की प्रेरणा दे सकते हैं। पहला काम तो वे यह करें कि सांसदों और विधायकों की पेंशन खत्म करवाएं। दूसरा, उन्हें सरकारी मकानों में न रहने दें। अब से 50-55 साल पहले वाशिंगटन में मैं 45 डालर महीने के जिस कमरे में रहता था, उसी के पास तीन कमरों में अमेरिका के कांग्रेसमेन और सीनेटर भी किराये पर रहते थे। तेजस्वी खुद बंगला छोड़ें तो बाकी मंत्री भी शर्म के मारे भाग खड़े होंगे। हमारी राजनीति को यदि भ्रष्टाचार से मुक्त करना है तो हमारे नेताओं को अचार्य कौटिल्य और यूनानी विद्वान प्लेटो के 'दार्शनिक राजाओं' के आचरण से सबक लेना चाहिए।

यूपी में जल्द ही भाजपा को नयी चुनौती देने की तैयारी में जुटा है विपक्ष

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर उस समय फोड़ा है जब महीने-दो महीने के भीतर नगर निकाय चुनाव की घोषणा होने वाली है। लगता है कि अखिलेश यादव चुनाव आयोग पर हार का ठीकरा फोड़कर एक साथ कई टॉरगेट साधना चाहते हैं। एक तरफ वह राज्य निर्वाचन आयोग को सचेत कर रहे हैं कि वह केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरह अपनी सीमाएं नहीं लांघे तो दूसरी तरफ ऐसे आरोप लगाकर सपा प्रमुख अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निराशा से भी उभारना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में नगर निगम चुनाव नवंबर में होने की संभावना व्यक्त की जा रही हैं। अगले महीने के अंत तक आचार संहिता भी लग सकती है। सड़क पर नगर निगम चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के बैनर-पोस्टर नजर आने लगे हैं तो राजनैतिक दलों द्वारा भी निकाय चुनाव के लिए रणनीति बनाई जा रही है। जहां बीजेपी हर छोटे-बड़े चुनाव को गंभीरता से लेते हुए नगर निकाय चुनाव में भी पूरी ताकत के साथ उतरने की तैयारी में है, वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से बनाए गए नगर निगम प्रभारी संबंधित क्षेत्र में डेरा डालकर अपनी रणनीति को अमली जामा पहनाने में लगे हैं। कांग्रेस में नगर निकाय

चुनाव को लेकर कोई खास गहमागहमी नहीं है, लेकिन कुछ पुराने कांग्रेसी नेता व्यक्तिगत तौर पर पंजे के सहारे छोटे सदन में जाने के लिए जरूर उतावले नजर आ रहे हैं। बसपा नगर निकाय चुनाव को लेकर कभी गंभीर नहीं रही है, वह यह मानकर चलती है कि यह शहरी वोटरों का चुनाव है और बसपा की शहरी क्षेत्र में पकड़ काफी ढीली है। वहीं आम आदमी पार्टी जैसे कुछ और राजनैतिक दल भी नगर निकाय चुनाव के लिए जोर-आजमाईश में लगे हुए हैं। सभी दलों के आलाकमान द्वारा जातीय समीकरण के साथ ही उम्मीदवारों की ताकत की भी थाह लेने में लगे हैं। समाजवादी पार्टी की तरफ से कहा गया है कि सितंबर के अंत तक सभी जिला प्रभारी प्रत्येक सीट पर तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल प्रदेश मुख्यालय भेजेंगे।

बेतवा अब भी उफान पर, हजारों हेक्टेयर फसल डूबी, विदिशा-सागर मार्ग बंद

रायसेन। सोमवार देर रात वर्षा थमने के बाद भी मंगलवार को बेतवा उफान पर है। दाहोद, केरवा डैम के गेट खोलने के कारण बेतवा का जलस्तर बढ़ा हुआ है। डेढ़ सौ ग्रामों में बाढ़ के जलभराव से बीस हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें बर्बाद हो गई हैं। एक सप्ताह में दूसरी बार बेतवा में बाढ़ आई है। इससे पहले 18 अगस्त को इसी तरह की बाढ़ आई थी। पिछली बाढ़ का जलभराव खेतों में कम ही नहीं हुआ था कि दूसरी बार 22 अगस्त को बाढ़ का फिर से खेतों में जलभराव हो गया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 36 घंटों में रायसेन जिले में आठ इंच वर्षा हुई है।

इस सीजन में अब तक 1315 मिमी वर्षा हो चुकी है। जबकि जिले में सामान्य ओसत वर्षा 1197 मिमी होती है। बताया जाता है कि तीन दशक में इस सीजन में यह अब तक की सर्वाधिक वर्षा है। पिछले 36 घंटों में तेज हवा के साथ हुई मूसलधार वर्षा से निचले इलाकों के सैकड़ों घरों में पानी भर गया था। प्रशासन ने करीब सौ लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया था। वर्षा थमने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। जिनके घरों में जलभराव हो गया था, वे सामान सुखाने के लिए धूप का इंतजार कर रहे हैं। दोपहर बाद जिले

की सांची विधानसभा सीट से विधायक और प्रदेश के स?वास?थ?य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे और हालात का जायजा लेते हुए लोगों से उनके हालचाल पूछे। उन्होंने इस मौके पर अधिकारियों को राहत व बचाव कार्यों के सिलसिले में जरूरी निर्देश भी दिए।

रायसेन- सांची सड़क मार्ग पर बेतवा के जलभराव के कारण 24 घंटे से यातायात बंद

रायसेन जिले मुख्यालय से बीस किमी दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-146 पर पगनेश्वर के पास बेतवा नदी की बाढ़ का जलभराव होने से 22 अगस्त दोपहर से विदिशा, सागर के लिए आवागमन बंद है।

बाढ़ ने 36 घंटों तक रोका रायसेन-सांची का आवागमन

रायसेन। जिला मुख्यालय से बीस किमी दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-146 पर ग्राम पगनेश्वर के पास बेतवा की बाढ़ का पानी सड़क के ऊपर बहने के कारण 36 घंटों तक रायसेन-सांची-सागर मार्ग पर आवागमन बंद रहा। जिले में 20 अगस्त की देर रात से वर्षा का दौर शुरू होकर 22 अगस्त की देर रात तक जारी रहा। अठतालिस घंटों में 239 मिमी वर्षा हुई है। मंडीदीप के पास दाहोद, केरवा जलाशयों के गेट खोलने से बेतवा नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया था। ग्राम पगनेश्वर के पास बेतवा की बाढ़ का जलभराव सड़क पर चार फीट से अधिक होने के कारण 21 अगस्त की रात से रायसेन-सांची-सागर के लिए आवागमन बंद हो गया था। वर्षा थमने के बावजूद बेतवा की बाढ़ का पानी सड़क से नीचे नहीं उतरा। मंगलवार देर शाम सड़क से पानी उतरने के बाद आवागमन शुरू हो सका। इधर रायसेन से गैरतगंज-बेगमगंज-राहतगढ़ मार्ग पर भी आवागमन चौबीस घंटे बंद रहा। गैरतगंज के पास कहूला नदी पर विगत बारह वर्ष से पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। बारह वर्ष पहले यह पुल अत्याधिक भारी मशीन लेकर जा रहे कंटेनर के चढ़ते ही टूट गया था। तब से पुल का निर्माण कार्य जारी है। आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था छोटे पुल से की गई है। जिसकी ऊंचाई करीब दस फीट होने के कारण नदी का पानी दो-तीन घंटे की तेज वर्षा में ही पुल से ऊपर बहने लगता है। यह मार्ग 22 अगस्त को सुबह से ही बंद हो गया था। जो कि 23 अगस्त की देर शाम तक चालू हुआ।

मछली पकड़ने गए आठ लोगों को बचाव दल ने निकाला

सुल्तानपुर। मछली पकड़ने गए आठ लोग बारना डैम के बरखेड़ा टापू पर गए थे। सोमवार को हुई तेज वर्षा के कारण यह लोग टापू पर फंस गए। प्रशासन को जब इनके टापू पर फंसे होने की सूचना मिली तो बचाव दल को बुलाकर इन्हें निकालने का प्रयास किया गया। सोमवार को अत्याधिक जलभराव के कारण बचाव दल टापू तक नहीं पहुंच पाया। रात में वर्षा थमने के बाद जलभराव कम होने पर बचाव दल टापू पर पहुंचा। वहां से मंगलवार को सुबह बचाव दल सभी आठ लोगों को नाव से सुरक्षित वापस लाया है। नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में 36 घंटे से अधिक हुई वर्षा हुई। पूरा क्षेत्र भारी वर्षा के चलते तहस-नहस हो गया। लगातार वर्षा के कारण लोगों को जहां लंबे समय के लिए बिजली कटौती के संकट से जूझना पड़ा वही पीने के पानी का भी सामना करना पड़ा। नगर की बरना नदी में 36 घंटे से अधिक पुल पर पानी रहने से आवागमन प्रभावित हुआ है। नायब तहसीलदार सौरभ मालवीय को देर रात गोरखपुर ग्राम से जानकारी मिली थी हमारे गांव से चार लोग मछली पकड़ने गए हैं जो लौटकर नहीं आए। इस जानकारी को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने अपने स्तर पर प्रयास किए गए। बारना डैम के बरखेड़ा टापू पर मछली पकड़ने गए लोग रुके हुए हैं। जानकारी के बाद स्थानीय विभाग द्वारा उन्हें सकुशल लाने के प्रयास किए गए। टापू पर उन्हें जाकर देखा तो वह चार नहीं आठ लोग थे। जिन्हें मछली ठेकेदार की बोट से स्थानीय लोगों के सहयोग एवं विभागीय कर्मचारियों ने सकुशल टापू से बाहर निकाल लिया। इनमें चार लोग गोरखपुर सुल्तानपुर के और चार लोग बाड़ी के निवासी थे। जिन्हें सुबह 5:30 बजे दो नावों की सहायता से पीपलवाली से डैम में उतार कर सुबह 8 बजे एक बोट से चार लोगों को लेकर गोरखपुर किनारे पर सकुशल लोटे।

न्यूनतम 25 अंक प्राप्त करने वालों की पदस्थापना होगी

रायसेन (नप्र)। राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक एवं सहायक परियोजना समन्वयक के पदों पर प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ होने के संबंध में लिखित परीक्षा 16 अगस्त को शासकी उत्कृष्ट विद्यालय रायसेन में आयोजित की गई। जिसमें कुल 19 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। इस लिखित पात्रता परीक्षा का मूल्यांकन राज्य स्तर पर किया गया जिसका परिणाम वरीयता क्रम में जारी किया गया है। प्राविधान अनुसार सूची में न्यूनतम 25 अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही इन पदों पर नियमानुसार पदस्थ करने के लिए पात्र रहेंगे। यदि किसी को कोई दावा एवं आपत्ति है तो वह 25 अगस्त तक कार्यालयीन समय सीमा में सुसंगत साक्ष?य एवं अभिलेख सहित स्वयं उपस्थित होकर अपना दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के उपरांत किसी प्रकार का कोई दावा अथवा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

शासकीय सेवकों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ा

रायसेन (नप्र)। राज्य शासन ने शासकीय सेवकों के लिए महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि करने के आदेश जारी कर दिए हैं। महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश के बाद महंगाई भत्ता दर एक अगस्त 2022 से भुगतान माह सितंबर 2022 बढ़ कर कुल 34 प्रतिशत हो जाएगी। वर्तमान में शासकीय सेवकों को मार्च 2022 भुगतान अप्रैल 2022 से सातवें वेतनमान में 31 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। महंगाई भत्ता दर में 50 पैसे अथवा उससे अधिक पैसे को अगले उच्चतर रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा और 50 पैसे से कम राशि को छोड़ दिया जाएगा। महंगाई भत्ते का कोई भी भाग किसी भी प्रयोजन के लिए वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। राज्य शासन ने यह भी निर्देश दिए हैं शासकीय सेवकों को महंगाई भत्ते के भुगतान पर किया गया व्यय संबंधित विभाग के चालू वर्ष के स्वीकृत बजट के प्राविधान से अधिक नहीं हो।

एसएमएस से मिलेगी जीपीएफ संबंधी जानकारी

रायसेन (नप्र)। महालेखाकार ग्वालियर की ओर से एसएमएस सुविधा शुरू की जा रही है। इस व्यवस्था में अधिकारी, कर्मचारियों को महालेखाकार की ओर से आवश्यक जानकारी यथा जीपीएफ में जमा, निकासी की जानकारी एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। प्रधान महालेखाकार ने बताया कि राज्य शासन के ऐसे समस्त अधिकारी, कर्मचारीए जो सामान्य भविष्य निधि की पात्रता रखते हैं उनसे मोबाइल नम्बर, ई-मेल आईडी और सामान्य भविष्य निधि खाते की जानकारी चाही है। उन्होंने बताया कि जानकारी उपलब्ध हो जाने पर महालेखाकार कार्यालय की ओर से एसएमएस सुविधा का लाभ अधिकारी,कर्मचारियों को मिलने लगेगा।

काम नहीं कर रहा राजू का दिमाग, कॉमेडियन को होश में लाने के लिए डॉक्टर्स ने उठाए ये कदम

मुंबई। राजू श्रीवास्तव का इलाज कर रहे डॉक्टर्स ने आश्वासन दिया है कि कॉमेडियन ठीक हो जाएंगे, हालांकि इस प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है। बता दें कि राजू श्रीवास्तव दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती हैं और बीते 15 दिनों से अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह अब भी बेहोश और वेंटिलेटर पर हैं। उनके प्रशंसक, दोस्त और सहयोगी लगातार उनके ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।

क्यों नहीं आ रहा राजू को होश?

डॉक्टर्स के अनुसार राजू को होश इसलिए नहीं आ रहा है क्योंकि उनके ब्रेन तक ऑक्सीजन नहीं पहुंच रहा है। यदि राजू के दिमाग के ऊपरी हिस्से में ऑक्सीजन पहुंच जाता है तो उन्हें होश में आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। राजू श्रीवास्तव का स्वास्थ्य अब स्थिर है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजू श्रीवास्तव के ब्रेन को छोड़कर उनकी पूरी बॉडी सामान्य रूप से काम कर रही है। हालांकि, कॉमेडियन के ब्रेन का संक्रमण पूरी तरह से खत्म कर हो चूका है। ऐसे में डॉक्टर्स अब न्यूरो फीजियोथेरेपी की मदद ले रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्सपर्ट फीजियोथेरेपिस्ट की टीम अब राजू श्रीवास्तव का इलाज करेगी।

रणवीर सिंह के साथ काम करने के बाद भी नहीं मिली फिल्मों में सफलता, इस सीरियल ने दिलाई पहचान

मुंबई। छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपने अभिनय का जादू चलाने वाले अदिति शर्मा किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। 24 अगस्त 1983 को पंजाब के अमृतसर में जन्मी अदिति पहली बार रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज में नजर आई थीं। इस शो को जीतने के बाद अदिति को पहचान मिली और उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई। आज अदिति के जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनके जीवन से जुड़ी कुछ बातें बताने जा रहे हैं। इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज जीतने के बाद अदिति शर्मा को कई सारे विज्ञापन में काम करने का मौका मिला। वहीं, इसी शो में अदिति की मुलाकात अपने पति सरवर आहूजा से हुई। दोनों ने एक साथ शो को जीता और अपनी पहली फिल्म खन्ना और अय्यर में साथ नजर आए। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन अदिति और सरवर को यह महसूस करने में देर नहीं लगी कि वे एक-दूसरे के लिए परफेक्ट हैं। दोनों ने 10 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और फिर 2014 में शादी के बंधन में बंध गए। दोनों एक बेटे के माता-पिता हैं।

इन फिल्मों में आईं नजर

2007 में फिल्म खन्ना एंड अय्यर से अदिति ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। लेकिन फिल्म पर किसी का ध्यान नहीं गया। इसके बाद 2008 में वह ब्लैक एंड व्हाइट में नजर आई, लेकिन यह फिल्म भी कुछ कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद उन्होंने साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख कर लिया और 2008 में ही फिल्म गुंडे झल्लुमंडी के साथ तेलुगू इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की। साउथ में फिल्में करने के बाद 2011 में अदिति शर्मा ने एक बार फिर बॉलीवुड में शाहिद कपूर की 'मौसम' के साथ वापसी की। हालांकि इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका में नहीं थीं, लेकिन उनके अभिनय को सराहा गया। इसी साल वह रणवीर सिंह के साथ 'लेडीज वर्सेज रिकी बहल' में नजर आईं और दर्शकों का दिल जीत लिया।

गंगा से मिली घर-घर में पहचान

अदिति ने फिल्मों में सपोर्टिंग किरदार निभाए, लेकिन वह उनके जरिए भी अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहीं। इसके अलावा वह कुछ खट्टा कुछ मीठा, इक्कीस तोपों की सलामी सात उचक्के में भी दिखाई दीं। कई वर्षों तक फिल्मों में सपोर्टिंग किरदार निभाने के बाद अदिति शर्मा ने 2012 में छोटे पर्दे का रुख किया। 2015 में आए उनके सीरियल गंगा ने उन्हें घर-घर में पहचान दिला दी। इसके बाद वह वारिस, संतोषी मां, सिलसिला बदलते रिश्तों का सहित कई टीवी शोज का हिस्सा रहीं। अदिति शर्मा ने पंजाबी इंडस्ट्री में भी काम किया है।

बॉलीवुड का हुआ बुरा हाल, कार्तिकेय 2-थिरुचित्रम्बलम ने लगाई आमिर-अक्षय की कमाई पर सेंध

मुंबई। मंगलवार को बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड की फिल्में औंधे मुंह गिर गई हैं। वहीं साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। जी हां, धनुष की फिल्म थिरुचित्रम्बलम ने मात्र छह दिनों में अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन (13 दिन पहले आई) से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है। वहीं कार्तिकेय 2 ने तेरह दिन पहले सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली लाल सिंह चड्ढा को ग्यारह दिनों में पछाड़ दिया है। यानी एक बार फिर साउथ फिल्मों ने बॉलीवुड को बॉक्स ऑफिस पर मात दे दी है।

60 करोड़ तक का आंकड़ा पार नहीं कर पाई लाल सिंह चड्ढा: आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में पूरी तरह फेल साबित हुई है, जिसका सीधा असर फिल्म की कमाई पर दिख रहा है। इस फिल्म ने अपनी खराब कमाई का प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार यानी 12वें दिन महज 73 लाख रुपये ही जुटाए थे। लेकिन मंगलवार को फिल्म की कमाई इससे भी ज्यादा बुरी रही। मंगलवार यानी 13वें दिन इस फिल्म ने लगभग 65 लाख रुपये ही कमाए हैं, जिसके बाद अब लाल सिंह चड्ढा का टोटल कलेक्शन 57.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

सेंचुरी लगाने में नाकामयाब रही रक्षाबंधन: रक्षा बंधन का 13वें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। अभी तक रक्षा बंधन ने कारोबार में कोई खास बढ़ते देखने को नहीं मिली है। दूसरे मंगलवार को रक्षा बंधन ने महज 65 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं इसके पहले फिल्म ने रविवार को ठीक-ठाक कमाई करते हुए 1.80 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं सोमवार को फिल्म ने महज 7 लाख रुपये का ही बिजनेस किया था। इस फिल्म की अब तक की कुल कमाई महज 44.72 करोड़ रुपये हो पाई है।

थिरुचित्रम्बलम ने छह दिनों में ही रक्षा बंधन को पछाड़ा: शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से छठे दिन आनी मंगलवार को फिल्म ने लगभग 3.10 करोड़ की कमाई की है, जिसके साथ ही फिल्म का टोटल कलेक्शन 44.76 करोड़ तक पहुंच गया है। इस फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए कहा जा रहा है कि थिरुचित्रम्बलम धनुष के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित होगी।

इस सप्ताह 60 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगी कार्तिकेय 2: शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक कार्तिकेय 2 ने मंगलवार को कुल 2.75 करोड़ का रुपये की कमाई की है। यदि हम अलग-अलग भाषाओं में फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो तेलुगू में फिल्म ने 1.95 करोड़ और हिंदी 0.98 करोड़ का कलेक्शन किया है। जिसके बाद फिल्म का कुल कलेक्शन 57.10 करोड़ के पार चला गया है। गौरतलब है कि फिल्म को महज 30 करोड़ के बजट में बनाया गया है। हालांकि छोटे बजट की फिल्म होने के बावजूद यह आमिर और अक्षय जैसे सुपरस्टार की फिल्मों में भारी पड़ी है।

पांच दिन में पांच करोड़ भी नहीं कमा पाई दोबारा: दोबारा को रिलीज हुए पांच दिन हो चुके हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है। यहां तक की दोबारा को सिनेमाघरों में दर्शक नहीं मिल रहे हैं, जिसके चलते शो तक कैंसिल करने पड़ रहे हैं। 30 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म अभी तक मजह 3.87 करोड़ रुपये का कारोबार ही कर पाई है। ऐसे में फिल्म का अपनी लागत निकाल पाना भी मुश्किल लग रहा है।

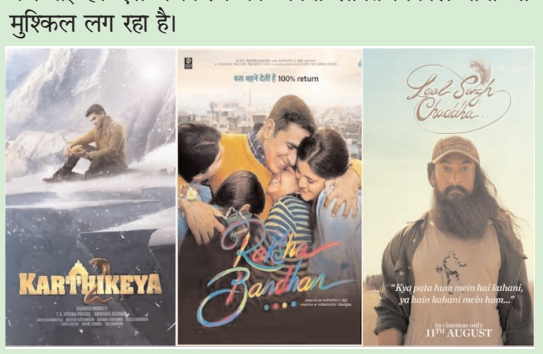

भाई बहन के प्यार पर बनी प्रभाकर की शॉर्ट फिल्म सोशल मीडिया पर मचा रही धमाल

मुंबई। बड़े परदे पर रिलीज हुई दो मेगा बजट फिल्मों 'लाल सिंह चड्ढा' और 'रक्षा बंधन' का सिनेमाघरों में जो भी हश्र रहा हो, लेकिन इसी मौके पर यूट्यूब पर रिलीज हुई एक शॉर्ट फिल्म ने इन दिनों सोशल मीडिया पर धमाल मचा रखा है। अकेले यूट्यूब पर इसे करीब 11 लाख लोग देख चुके हैं और हर हफ्ते होने वाले रिव्यू में भी ये शॉर्ट फिल्म अव्वल नंबर बनी हुई है। निर्देशक प्रभाकर शुक्ल की ये शॉर्ट फिल्म भाई बहन के प्यार की अनोखी कहानी कहती है। ये कहानी सिर्फ तीन मिनट की है। लेकिन, इस जरा सी अवधि में भी ये देखने वाले की आंखों में खुशियों के आंसू ले आती। यूट्यूब और तमाम सोशल मीडिया पर रिलीज हुई इस शॉर्ट फिल्म में भाई को एक फोन आता है। वह ऑफिस से निकलता है तो रास्ते में कच्चे आम खरीदता है और घर पहुंच कर अपनी मां को याद करते अचार बनाने लगता है। अचार बनाने समय वह वही तेल इस्तेमाल करता है जो उसकी मां करती थी। इसके बाद अपने हाथों से बनाया यह अचार लेकर वह अपनी बहन के यहां पहुंचता है। बहन इमोशनल हो जाती है। और फिर कहानी फ्लैशबैक में चली जाती है। भाई बहन के सच्चे प्रेम की कहानी कहती ये शॉर्ट फिल्म दरअसल विज्ञापन की दुनिया का वह नया प्रयोग है जिसमें किसी उत्पाद का संदेश सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। निर्देशक प्रभाकर शुक्ल इस फिल्म को सभी प्रतिष्ठित एड रिव्यूज में अव्वल नंबर मिलने से इन दिनों काफी खुश हैं। वह कहते हैं, 'सोशल मीडिया का ये एक नया ट्रेंड है और इसमें हमें अपनी कहानी कहने के लिए ज्यादा समय भी मिलता है और इसके लिए टेलीविजन या सिनेमाघर जैसे किसी तीसरे माध्यम की जरूरत भी नहीं होती। तीन मिनट की एक फिल्म में सारी बात समेटना भी कम चुनौती भरा नहीं है लेकिन ये सोशल मीडिया फिल्म्स अब ब्रांडिंग के एक जरूरी चीज होती जा रही हैं। इनके साथ सहूलियत ये भी है कि इन्हें सीधे लोगों के मोबाइल पर भी भेजा जा सकता है।'

अब तक बना चुके 550 से ज्यादा फिल्में

निर्देशक प्रभाकर शुक्ल अब तक साढ़े पांच सौ से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बना चुके हैं। हिंदी फिल्म जगत के दिग्गज कलाकारों के साथ बनाई इन फिल्मों में एमडीएच मसाले, रूप मंत्रा क्रीम और फेस वॉश जैसे तमाम बड़े उत्पाद शामिल हैं। कम लोगों को ही पता होगा कि प्रभाकर शुक्ल निर्देशित हिंदी फिल्म 'कहानी गुड़िया की' ने साल 2007 में पूरी दुनिया में धूम मचाई थी। सरहद से लौटे एक फौजी की पत्नी की ये असल जिंदगी की कहानी पर बनी फिल्म है जिसमें उसकी पत्नी उसे शहीद समझकर दूसरी शादी कर लेती है। ये फिल्म उस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए भी नामित हुई थी।

सोशल मीडिया फिल्में समय की जरूरत

उत्पादों के प्रचार के बदलते तौर तरीकों के बारे में पूछे जाने पर प्रभाकर कहते हैं, 'टेलीविजन के 10 से 30 सेकंड के विज्ञापनों से लेकर सिनेमाघरों में चलने वाले 30 सेकंड से लेकर एक मिनट तक के विज्ञापनों के बाद अब नया जमाना सोशल मीडिया फिल्म्स का आया है। यहां जोर ब्रांड पर न होकर एक खास कहानी पर होता है। यहां ब्रांड नेपथ्य में रहता है और पूरी कहानी का संदेश जब दर्शकों के मस्तिष्क में जगह बना रहा होता है तो ब्रांड एकदम आखिर में आकर अपनी छाप छोड़ता है।

अमिताभ बच्चन दूसरी बार कोरोना संक्रमित

मुंबई। कोरोना वायरस एक बार फिर देशभर में अपने पैर पसार रहा है। इसी बीच बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन फिर से इस वायरस की चपेट में आ गए हैं। जी हां, अमिताभ बच्चन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और इस बात की जानकारी खुद अभिनेता ने ट्वीट कर दी है। इस दौरान उन्होंने उन लोगों से अपना कोविड टेस्ट कराने की बात कही है, जो बीते कुछ दिनों में अभिनेता से मिले हैं। हालांकि, अभिनेता के अलावा उनके परिवार का कोई दूसरा सदस्य कोरोना संक्रमित नहीं हुआ है। अमिताभ बच्चन ने अपने ट्वीट में लिखा, मेरा अभी अभी कोविड पॉजिटिव परीक्षण हुआ है। वे सभी लोग जो मेरे आस-पास रहे हैं। वह सभी कृपया अपनी जांच करवाएं। अभिनेता के इस ट्वीट के बाद फैंस उनके लिए दुआ मांग रहे हैं। इस ट्वीट के कमेंट में फैंस अमिताभ बच्चन से उनकी तबीयत के बारे में पूछ रहे हैं। कई फैंस ने अभिनेता से अपना ख्याल रखने और जल्दी ठीक होने की बात कही है। बता दें कि इन दिनों अमिताभ बच्चन अपना गेम शो कौन बनेगा करोड़पति में बिजी है। वह लगातार नए लोगों से इस शो के दौरान मिल रहे हैं। अमिताभ बच्चन साल 2020 में भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। इस दौरान अभिनेता को मुंबई को नानावटी अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था। हालांकि, इस दौरान बिग बी ने फैंस के लिए एक पोस्ट किया था। अमिताभ बच्चन के साथ उनके परिवार के सदस्यों पर भी कोरोना वायरस का अटैक हुआ था। वहीं, साल 2022 की शुरुआती दिनों में ही बिग बी के घर का एक स्टाफ मेंबर भी इस वायरस से संक्रमित हो गया था।

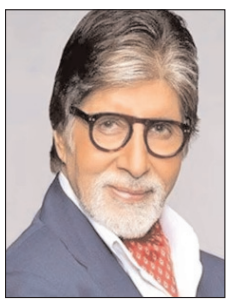

बायकॉट के बाद कानूनी पचड़ो में फंसे आमिर

मुंबई। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान और उनकी फिल्म लाल सिंह चड्ढा की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं रही हैं। आमिर की कम बैक फिल्म अपनी रिलीज से पहले से ही विरोध का सामना कर रही है। जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर फिल्म को बायकॉट करने की मांग उठ रही थी, वहीं दूसरी तरफ कई शहरों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहा था। इन सबका असर साफ तौर पर लाल सिंह चड्ढा की बॉक्स ऑफिस कमाई पर पड़ता हुआ दिख रहा है। धर्म को लेकर विवादों में आई लाल सिंह चड्ढा अब नए विवाद में फंस गई है। आमिर के साथ ही इस बार विवादों का शिकंजा तापसी पन्नू की फिल्म शाबाश मिथु कसता दिख रहा है। कोर्ट में दोनों ही फिल्मों की कहानी पर दिव्यांगजनों का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया गया है। आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा की मुश्किलें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। बायकॉट की मांग और विरोध के बाद अब एक रिपोर्ट सामने आ रही है, जिसके अनुसार आमिर और तापसी की फिल्मों पर नए आरोप लगाए गए हैं। खबरों के

अनुसार, 70 प्रतिशत लोकोमोटर डिसेबिलिटी से ग्रसित डॉक्टर्स के सह-संस्थापक डॉ सतेंद्र सिंह ने अदालत में दोनों फिल्मों पर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई है। डॉ सतेंद्र सिंह का आरोप है कि लाल सिंह चड्ढा और शाबाश मिथु की कहानी विकलांग लोगों का मजाक उड़ा रही है। डॉ सतेंद्र ने अदालत द्वारा जारी नोटिस की कॉपी भी साझा की है। हालांकि, अभी इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। डॉ सतेंद्र द्वारा साझा किए गए नोटिस के अनुसार, कोर्ट ने लाल सिंह चड्ढा और शाबाश मिथु के खिलाफ दर्ज शिकायत में, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के निदेशकों से जवाब मांगा है। डॉ सतेंद्र सिंह का कहना है कि इन दोनों ही फिल्मों में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। इन अनुसार ये दोनों ही फिल्में विकलांग लोगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करती हैं। बीते दिन आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा के खिलाफ एक जनहित याचिका दायर करते हुए फिल्म को बंगाल में बैन की मांग की गई है। कोलकाता हाई कोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका में फिल्म के खिलाफ शांति भंग करने का आरोप लगाया गया है। इसी याचिका का हवाला देते हुए फिल्म को बंगाल में पूरी तरह से बैन करने की मांग की गई है। लाल सिंह चड्ढा पर आरोप है कि इसमें दिखाया गया कंटेंट बंगाल में शांति और व्यवस्था को बिगाड़ सकता है।

मस्क की पूर्व प्रेमिका को बेटे की पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए करना पड़ा ये, किया खुलासा

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला व स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के सीईओ एलन मस्क की एक पूर्व प्रेमिका ने अपने बेटे की पढ़ाने का खर्च उठाने के लिए मस्क के साथ उनकी तस्वीरों को नीलाम करने का फैसला किया है। जिन तस्वीरों को ऑक्शन के लिए रखा गया है कि उनमें मस्क अपने कॉलेज के दिनों के दौरान जब महज 20-21 वर्ष के थे पेंन्सिलवेनिया यूनिवर्सिटी के कैंपस में मस्ती करते दिख रहे हैं।

एलन की इस पूर्व प्रेमिका का नाम जेनिफर ग्वेनी है। बकौल ग्वेनी वह वर्तमान में अपने सौतेले बेटे के साथ साउथ कैरोलिना में रहती हैं और इन तस्वीरों का ऑक्शन वह अपने बेटे के ट्यूशन फी के लिए पैसे जुटाने के लिए कर रही हैं। वर्तमान में ग्वेनी 48 वर्ष की हैं। पेन्सिलवेनिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान की 23 वर्ष के युवा मस्क की तस्वीर शेयर करते हुए ग्वेनी ने कहा है कि उन दिनों मस्क बहुत रिजर्व रहते थे पर पर कभी-कभी वह बहुत बचकाना व्यवहार करते थे मुझे अपने साथ ठहाके लगाने के लिए कहते थे। इस लिए मैंने मुस्कुराते हुए उनकी तस्वीरों का दस्तावेज तैयार किया। एलन मस्क और जेनिफर ग्वेन ने 1994-95 के सेमेस्टर के दौरान एक दूसरे को डेट किया था। ग्वेन ने कहा है कि उनके बीच बढ़िया रोमांस था पर बहुत ज्यादा आत्मीयता नहीं थी क्योंकि मस्क ज्यादातर समय पर इसका विरोध करते थे।

जोमैटो डिलीवरी पार्टनर की इस बात पर महिला भड़की, चप्पल से करने लगी पिटाई

नई दिल्ली। जोमैटो के डिलीवरी एग्जीक्यूटिव की पिटाई करते हुए एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो क्लिप में महिला डिलीवरी एग्जीक्यूटिव की चप्पल से पिटाई करती दिख रही है। यह वीडियो डीजे नाम के ट्विटर अकाउंट से शेयर की गई है। उस व्यक्ति ने दावा किया है कि जोमैटो डिलिवरी पार्टनर अपने ऑर्डर की डिलिवरी कर रहा था उसी दौरान वहां बगल में खड़े एक व्यक्ति ने इस वीडियो को रिकॉर्ड किया है। वीडियो में दिख रहा है कि एक महिला जोमैटो डिलिवरी पार्टनर से ऑर्डर लेती है और उसे अपनी सैंडल से पीटना शुरू कर देती है। ट्वीट में यह भी दावा किया गया है डिलीवरी ब्वॉय इस दौरान इस बात को लेकर काफी डरा हुआ था कि उसकी नौकरी चली जाएगी। ट्विटर यूजर ने इस वीडियो को 16 अगस्त को शेयर किया है पर उसने यह नहीं बताया है कि यह कहां का वीडियो है या यह घटना कब की है? यूजर ने अपने ट्विटर थ्रेड में यह भी कहा है कि घटना की जानकारी मिलने पर उसने जोमैटो के कस्टमर केयर से संपर्क किया और उन्हें बताया कि मुझे ऑर्डर की कोई परवाह नहीं पर आपके डिलीवरी पार्टनर को कोई पीट रहा है, प्लीज उसकी मदद करें ट्विटर यूजर ने इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए यह भी लिखा है कि महिला ने जोमैटो डिलीवरी पार्टनर को क्यों पीटा, इसका कारण जानकर वह हैरान है।

दरअसल ट्विटर के डिलीवरी पार्टनर ने महिला से सिर्फ इतना कहा था कि सैंडविच का ऑर्डर किसी दूसरे का है, आप चाहें तो रिसिट से इसका मिलान कर लें पर महिला ने उसकी नहीं सुनी और उसकी पिटाई करने लगी। इस घटना का वीडियो वायरल होने पर जोमैटो ने भी घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह इस मामले की जांच कर रहा है और वह अपने डिलीवरी पार्टनर से इस मसले पर संपर्क करेगा। जोमैटो ने यह बात ट्विटर पर कही है।

सोना 157 रुपये मजबूत हुआ, चांदी 364 रुपये उछली

नई दिल्ली। मंगलवार को सोना 157 रुपये की तेजी के साथ 51,707 रुपये प्रति दस ग्राम की दर पर बिका। चांदी की कीमतों में भी 364 रुपये का उछाल दिखा है। चांदी मंगलवार को 55,662 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर बिक रही है। देश के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में मामूली मजबूती नजर आई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार राजधानी दिल्ली और एनसीआर के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 157 रुपये की तेजी के साथ 51,707 रुपये प्रति दस ग्राम की दर पर बिका। इससे पिछले कारोबारी सेशन में सोना 51,550 रुपये प्रति दस ग्राम की दर पर बिक रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली तेजी के साथ 1,739 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की दर पर करोबार कर रहा है, जबकि ग्लोबल मार्केट में चांदी 19.03 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की दर पर कारोबार कर रही है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कॉमोडिटीज) तपन पटेल के अनुसार डॉलर के हल्का कमजोर होने से सोने की कीमतों में मामूली तेजी आई है।

रनवे पर विमान के इंजन में आई खराबी, नौसेना की मदद से उतारे गए यात्री

नई दिल्ली। गोवा एयरपोर्ट पर मुंबई जा रहे इंडिगो विमान के दाहिने इंजन में रनवे पर चलने के दौरान खराबी आ गई। नौसेना के बचाव दल की मदद से यात्रियों को प्लेन से उतारा गया है। हवाईअड्डा के निदेशक की ओर से यह जानकारी साझा की गई है। इंडिगो एयरबस जो विमान संख्या 6श्व6097 के रूप में गोवा से मुंबई जा रहा था, एयरपोर्ट के रनवे पर चलने के दौरान तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान नहीं भर सका। रनवे पर चलने के दौरान विमान के पायलट को मोमेंटरी इंजन वॉर्निंग मिला। उसके बाद पायलट ने विमान को जरूरी सुरक्षा जांच के लिए भेज दिया। जिस वक्त विमान में यह खराबी आई उस पर 187 यात्री सवार थे। विमान के सभी यात्रियों को नौसेना के बचाव दल की मदद से विमान से उतार कर उन्हें दूसरे विमान से मुंबई भेजने की व्यवस्था की गई। हवाई अड्डे के निदेशक एसवीटी धनंजय राव ने कहा कि भारतीय नौसेना के बचाव दल ने सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया। उन्होंने बताया कि नौसेना की टीम विमान को 'टैक्सी-बे' में ले गई। गोवा हवाई अड्डा नौसेना के 'आईएनएस हंसा बेस' का एक हिस्सा है।

स्विस बैंक में गुप्त धन रखने पर अनिल अंबानी को नोटिस, 420 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का आरोप

नई दिल्ली। विभाग ने 63 वर्षीय अंबानी पर कर चोरी का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने 'जानबूझकर' भारतीय कर अधिकारियों के सामने अपने विदेशी बैंक खाते के विवरण और वित्तीय हितों का खुलासा नहीं किया। ढ्ढ-ञ्ज विभाग ने दो स्विस बैंक खातों में गुप्त धन रखने के लिए अनिल अंबानी को अभियोजन नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही आयकर विभाग ने दो स्विस बैंक खातों में रखे 814 करोड़ रुपये से अधिक के अघोषित धन रखने के मामले में 420 करोड़ रुपये कर चोरी करने के आरोप में रिलायंस अनिल अंबानी समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी के खिलाफ काला धन अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की मांग की है। विभाग ने 63 वर्षीय अंबानी पर कर चोरी का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने 'जानबूझकर' भारतीय कर अधिकारियों के सामने अपने विदेशी बैंक खाते के विवरण और वित्तीय हितों का खुलासा नहीं किया। इस मामले में अंबानी को इस महीने की शुरुआत में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। विभाग ने कहा कि इस मामले में अनिल अंबानी पर काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) कर अधिनियम 2015 की धारा 50 और 51 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जिसमें जुर्माने के साथ अधिकतम 10 साल कारावास की सजा का प्रावधान है। मामले में अनिल अंबानी को 31 अगस्त तक जवाब देने को कहा गया है। इस संबंध में अनिल अंबाली या उनके कार्यालय की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। आयकर विभाग के अनुसार अनिल अंबानी पर आकलन वर्ष 2012-13 से 2019-20 के बीच विदेशी बैंकों में अघोषित संपत्ति रखकर टैक्स चोरी के आरोप हैं।

दो दिनों की गिरावट के बाद संभला बाज़ार, सेंसेक्स 257 अंक ऊपर, निफ्टी 17550 के पार

नई दिल्ली। मंगलवार को कारोबार बंद होते समय सेंसेक्स 257.43 अंकों की उछाल के साथ 59,031.30 अंक पर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी में पिछले दिन की तुलना में 86.80 अंकों की बढ़ दिखी। बाजार बंद होते समय निफ्टी इंडेक्स 17,577.50 अंकों के लेवल पर कारोबार कर रहा था। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन ऐसे तो शेयर बाजार लाल निशान में खुला पर धीरे-धीरे बाजार बाजार का मूड सुधरने लगा। जैसे-जैसे दिन चढ़ा बाजार में दो दिनों की गिरावट के बाद हरियाली लौटने लगी। मंगलवार को कारोबार बंद होते समय सेंसेक्स 257.43 अंकों की उछाल के साथ 59,031.30 अंक पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, निफ्टी में पिछले दिन की तुलना में 86.80 अंकों की बढ़ दिखी। बाजार बंद होते समय निफ्टी इंडेक्स 17,577.50 अंकों के लेवल पर कारोबार कर रहा था। मंगलवार के कारोबारी सेशन में एमएंडएम के शेयरों में चार प्रतिशत तक की बढ़त दिखी जबकि अदाणी पावर के शेयरों में पांच प्रतिशत की गिरावट दिखी। इससे पहले बाजार खुलते समय मंगलवार (23 अगस्त) को बाजार में मंदी का माहौल रहा। सेंसेक्स 374 अंक लुढ़ककर खुला जबकि निफ्टी में 117 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले एसजीएक्स निफ्टी ने 49 अंकों की कमजोरी के साथ बाजार भारतीय बाजार में कमजोरी के संकेत दे दिए थे। इसमें 0.28 अंकों की गिरावट दिखी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कड़े फैसले और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में नरमी को लेकर बाजार में चिंता है इससे बजार फिसलता दिखा। वहीं, डॉलर के मजबूत होने से आईटी सेक्टर के शेयर कमजोर हुए हैं। निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.66त्न तक कमजोर हुआ।

अदाणी समूह एनडीटीवी में परोक्ष रूप से 29.18 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदेगा

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदाणी ग्रुप ने आगे और हिस्सेदारी लेने के लिए ऑपन ऑफर भी पेश किया है। तीन कंपनियों विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लि. के साथ एएमजी मीडिया नेटवर्क्स और अडाणी एंटरप्राइजेज लि. ने चार रुपये अंकित मूल्य के एनडीटीवी के 1,67,62,530 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदने के लिये 294 रुपये प्रति शेयर के मूल्य की पेशकश की है। इस मामले में जारी एक प्रेस रिलीज के मुताबिक VCPL के पास RRPR होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड की 99.5त्न हिस्सेदारी खरीदने का अधिकार था। इसी अधिकार के तहत यह स्टेक लेने का फैसला किया है। बता दें कि आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रमोटर ग्रुप कंपनी है। इसके पास एनडीटीवी की 29.18त्न हिस्सेदारी थी। इसे ही अदाणी ग्रुप हासिल

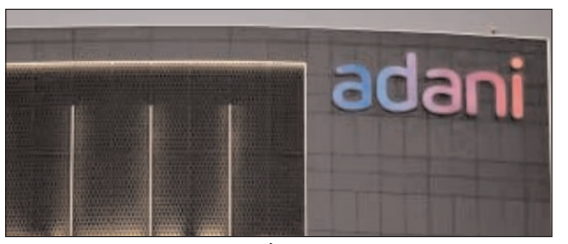

करेगा। इस बारे में बताया गया है कि वीपीसीएल 26त्न से अधिक की हिस्सेदारी ले रही है इसलिए सेबी के नियमों के मुताबिक उसे ओपन ऑफर लाना पड़ेगा। एएमएनएल के सीईओ संजय पुगलिया ने इस मामले में कहा है कि नए दौर की मीडिया प्लेटफॉर्म की राह में यह अधिग्रहण मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा, एएमएनएल भारतीय नागरिकों, उपभोक्ताओं और भारत में रुचि रखने वालों को सूचना और ज्ञान के साथ सशक्त बनाना चाहता है। समाचारों में अपनी अग्रणी स्थिति और शैलियों और भौगोलिक क्षेत्रों में अपनी मजबूत और विविध पहुंच के साथ, एनडीटीवी हमारे दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त प्रसारण और डिजिटल प्लेटफॉर्म है। हम समाचार वितरण में NDTV के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। बता दें कि NDTV एक प्रमुख मीडिया हाउस है जो एनडीटीवी 24×7, एनडीटीवी इंडिया और एनडीटीवी प्रॉफिट नाम के तीन राष्ट्रीय चैनलों का संचालन करती है। बीते वित्तीय वर्ष में NDTV ने 123 करोड़ रुपये के EBITDA के साथ 421 करोड़ रुपये का राजस्व और वित्त वर्ष 22 में नगण्य ऋण के साथ 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)